



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 295]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 16, 2010/कार्तिक 25, 1932

No. 295]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 16, 2010/KARTIKA 25, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 2010

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच का अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 14/25/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है), 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। संबद्ध देश के दूतावास को नियम 5(5) के अनुसार विधिवत प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में अधिसूचित किया गया था ।

3. और यतः प्राधिकारी ने नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु की आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 18 मई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को मै. लोहिया स्टारलिगर लि., कानपुर (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) से चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली संकुलर बुनाई मशीनों (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन प्राप्त हुआ और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया। संबद्ध देश के सरकार को नियम 5(5) के अनुसार विधिवत प्रलेखित आवेदन की प्रतियां के बारे में अधिसूचित किया गया था।
- ख) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा उपलब्ध पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करना रजि. समाप्ता। प्राधिकारी ने नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत से पूर्व पाटन के आरोप का प्राप्ति के बारे में गई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के सरकार को अधिसूचित किया।
- ग) प्राधिकारी ने आरोपित पाटन और क्षति की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 18 मई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया है।
- घ) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते आवेदक द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने अनुरोधों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया और उनसे जांच शुरुआत के 40 दिन के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने और लिखित में अपने विचारों से अवगत करने का अनुरोध किया।
- (ड) उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के सरकार को उपलब्ध कराई गई थी।

(च) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के समस्त ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते आवेदक द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

(छ) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातक को भेजे गए पत्र, याचिका के अगोपनीय रूपांतरण और निर्यातक प्रश्नावली की एक प्रति याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी ।

(ज) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता से जांच अवधि और पूर्ववर्ती 3 वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के किए गए आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयातों के सौदेवार आंकड़ों पर इस जांच परिणाम में समुचित विचार किया गया है ।

(झ) जहां कहीं अनुरोध किया गया, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय आवेदन की प्रति भी उपलब्ध कराई गई थी ।

(ञ.) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए चीन जन.गण. में संबद्ध उत्पाद के समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी ।

(ट) आयातक प्रश्नावली भारत में सभी ज्ञात आयातकों को भेजी गई है ।

(ठ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

(ड) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत अनंतिम रूप से निकाली गई थीं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

(ढ) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में किए गए गोपनीयता के दावों की जांच की गई है । जो सूचना गोपनीय स्वरूप की है अथवा जिसे हितबद्ध पक्षकारों ने

अगोपनीय सारांश के साथ गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया है, उसे गोपनीय माना गया है ।

(ण) चीन जन.गण. के सभी ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली भी भेजी गई थी । निर्यातकों को यह सूचित किया गया था कि प्राधिकारी का प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेखानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है ।

(त) यह जांच 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2008 (9 माह) की अवधि के लिए की गई थी । क्षति जांच वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 और जांच अवधि के लिए की गई थी ।

(थ) प्राधिकारी ने 16 फरवरी, 2010 को प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए । इसकी प्रति भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेजी गई थी ।

(द) सभी हितबद्ध पक्षकारों से प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपनी टिप्पणियां दायर करने के लिए कहा गया था ।

(ध) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए 29 मार्च, 2010 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे । हितबद्ध पक्षकारों से लिखित अनुरोध और उत्तर, यदि कोई हो, दायर करने के लिए कहा गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों और उत्तरों पर संगत समझी गई सीमा तक अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

(न) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान किए गए अनुरोध पर मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी, गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया (इस मामले में निर्यातक) के निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर को स्वीकार किया । यद्यपि, मै. स्टारलिंगर जी एम बी एच आस्ट्रिया ने पूर्व में जांच की शुरुआत के उत्तर में सूचना प्रस्तुत की थी, तथापि उस पर प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ विचार नहीं किया गया था क्योंकि सूचना निर्धारित प्रपत्र में नहीं थी ।

(प) प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक (स्टारलिंगर जी एम बी एच, आस्ट्रिया) और उत्पादक (स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी कंपनी (ताईकांग) चीन) द्वारा प्रस्तुत

आंकड़ों और सूचना का सत्यापन करवाया । सत्यापन रिपोर्ट पर उत्पादक/निर्यातक से प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में उचित कार्रवाई की गई है ।

(फ) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन 23 जून, 2010 को किया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में समुचित विचार किया गया है ।

(ब) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद

5. विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें हैं । सर्कुलर बुनाई मशीनों में एक केन्द्रीय भाग होता है जिसमें ताना डालने के लिए शटलें होती हैं और बाना डालने के लिए एक क्रील होता है । पीपी/ एच डी पी ई टेपों का उपयोग ताना-बाना के रूप में किया जाता है । सर्कुलर पी पी/ एच डी पी ई कपड़े की बुनाई शुरू से लेकर अंत तक होती है । सर्कुलर बुनाई के वस्त्रों का व्यापक उपयोग सीमेंट, उर्वरक, रसायन, प्लास्टिक के दाने आदि की पैकेजिंग तथा तिरपाल आदि जैसे आच्छादन कपड़ों जैसे पैकेजिंग अनुप्रयोगों में होता है ।

6. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 84 के उपशीर्ष सं. 8646-बुनाई मशीनें (करघा) के अंतर्गत वर्गीकृत है और इनकी निकासी शीर्ष सं. 8446.21/8446.21.90 (अन्य)/8446.29 (अन्य) तथा 8446.29.00 (अन्य) के अंतर्गत की जात है ।

7. आवेदक ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से निर्यातित 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनों में कोई खास अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से आयातित 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमों के अनुसार चीन जन.गण. से आयातित वस्तु के समान वस्तु है ।

8. यह नोट किया जाता है कि जांच शुरूआत और प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसार विचाराधीन उत्पाद चीन जन गण के मूल की या वहां से निर्यातित 3 सेंटीमीटर से अधिक की चौड़ाई के पी पी/एच डी पी ई वस्त्रों की बुनाई हेतु 6 या अधिक शटल वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें हैं । तथापि विचाराधीन उत्पाद का सीमाशुल्क एवं आई टी सी एच एस वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

ग. समान वस्तु

9. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है । आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । प्राधिकारी इस संबंध में आवेदक के दावे का स्वीकार करते हैं, इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है ।

घ. घरेलू उद्योग का आधार

10. यह आवेदन मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर किया गया है । रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर का उत्पादन घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग है क्योंकि उनका उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है ।

11. उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि इस आवेदन में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं की पूर्ति होती है । इसके अलावा, मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., कानपुर को नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग माना जा रहा है ।

निर्यातकों के विचार

12. मौखिक सुनवाई से पूर्व निर्यातक ने निम्नलिखित अनुरोध किए थे :-

(i) मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा मै.स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया द्वारा प्रदत्त प्रौद्योगिकी से निर्यात हेतु सर्कुलर बुनाई करघों तथा अन्य मशीनों का विनिर्माण किया जा रहा है ।

(ii) आवेदक मै. लोहिया स्टारलिंगर लि., इंडिया, लोहिया मशीन वर्क्स, कानपुर तथा मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच तथा मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, आस्ट्रिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है जिसका मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. में 34.67% का दावा है और वह मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. में एकमात्र सबसे कम शेयरधारक है ।

(iii) इसके अलावा, मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल सॉफ्ट एम.बी.एच, ने लागू प्रौद्योगिकी तथा जानकारी प्रदान कर सर्कुलर बुनाई करघों के विनिर्माण हेतु लोहिया स्टारलिंगर लि. को सर्मि बनाया है ।

(iv) स्टारलिंगर- ह्यूमर परिवार द्वारा एफ ई पी आई ए प्राइवेटस्टिफिंग के जरिए प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखा जाता है और वह स्टारलिंगर समूह के भाग स्वरूप समस्त कंपनियों में प्रत्यक्ष व्यक्तिगत शेयरधारिता रखता है ।

(v) आवेदक मै. लोहिया स्टारलिंगर लि. स्टारलिंगर समूह की एक भाग है क्योंकि मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच आवेदक कंपनी अर्थात् लोहिया स्टारलिंगर लि. में एकमात्र सबसे कम शेयरधारिता वाली कंपनी है जिसकी शेयरधारिता 34.67% है ।

(vi) मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि. द्वारा संबद्ध उत्पाद का निर्यात केवल मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया को किया जाता है जो बाद में भारत सहित अन्य देशों को उसका निर्यात करती है ।

(vii) सुश्री एनजेलिका ह्यूमर स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कंपनी लि. के बोर्ड की अध्यक्ष हैं और साथ ही साथ स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया की प्रबंध निदेशक एवं स्टारलिंगर एक्सपोर्ट जी एम बी एच, आस्ट्रिया की प्रबंध निदेशक हैं ।

(viii) स्टारलिंगर एंड कंपनी गेस्सेल साफ्ट एम बी एच, आस्ट्रिया की याचिकाकर्ता लोहिया स्टारलिंगर लि. में 34.67% की शेयरधारिता है और लोहिया स्टारलिंगर लि. के बोर्ड पर उसका विधिक अधिकार है । इस कंपनी से लोहिया स्टारलिंगर लि. द्वारा निदेशक का पद विधिसम्मत रूप से अलग कर दिया गया था और यह मामला कंपनी लॉ बोर्ड, भारत के समक्ष इस समय लंबित है ।

13. मौखिक सुनवाई के बाद निर्यातक ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) नियमों में मान्य प्रावधान निहित है और उसमें ऐसे संबंध का उल्लेख है जो "विधिक या प्रचालनात्मक" हो सकता है ।
- (ii) नियमों में ऐसी स्थिति का उल्लेख है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे पर नियंत्रण करने की स्थिति में होता है ।
- (iii) "प्रचालनात्मक संबंध" का तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें कंपनियों के प्रचालनों में संबंध हो सकता है जबकि "विधिक संबंध" का तात्पर्य ऐसे संबंध से है, जो कानून में विद्यमान है-भले ही उसका उपयोग/अनुप्रयोग किया गया हो अथवा नहीं ।
- (iv) "नियंत्रण की स्थिति में" का तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें वस्तुतः नियंत्रण विद्यमान होता है भले ही उसका उपयोग/अनुप्रयोग किया जाए अथवा नहीं ।
- (v) अधिकांश शेयरधारिता अर्थात् 50% से अधिक की शेयरधारिता से विधिक नियंत्रण प्राप्त हो जाता है, सही नहीं है ।

- (vi) इस जांच में प्राधिकारी द्वारा किए गए अर्थ निरूपण का यह तात्पर्य होगा कि दोनों कंपनियों के बीच शेयरधारिता 50% से कम होने की स्थिति में उन्हें असंबद्ध समझा जाएगा ।
- (vii) प्राधिकारी द्वारा वर्तमान मामले में लागू किया गया 50% तथा उससे अधिक का मानदंड पिछले निर्णयों से और संबंध के बारे में प्राधिकारी की वर्तमान पद्धति से नितांत असंगत है ।

घरेलू उद्योग के विचार

14. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए थे :-

- क. लोहिया स्टारलिंगर लि. (जिसे आगे "एल एस एल" कहा गया है) तथाकथित स्टारलिंगर समूह की भाग नहीं है जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट हो जाता है कि वेबसाइट www.starlinger.com में आई एस एल स्टारलिंगर समूह के सदस्य के रूप में सूचीबद्ध नहीं है:-
- ख. एल एस एल की स्टारलिंगर चीन में कोई शेयरधारित नहीं है और न ही उस पर नियंत्रण है तथा स्टारलिंगर चीन का एल एस एल में कोई शेयर नहीं है और/अथवा उस पर नियंत्रण नहीं है ।
- ग. एल एस एल का स्टारलिंगर एंड कंपनी सी एम बी एच, आस्ट्रिया (जिसे आगे "स्टारलिंगर आस्ट्रिया" कहा गया है) पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही वह विधिक या प्रचालनात्मक रूप से स्टारलिंगर आस्ट्रिया द्वारा नियंत्रित है ।
- घ. इस तथ्य कि स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की मांग करते हुए माननीय सी एल बी के समक्ष एक याचिका दायर की है, से इस बात की पुष्टि होती है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का एल एस एल पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही उसके पास एल एस एल के प्रबंधन या नियंत्रण में भूमिका का दावा करने का कोई संविदागत अधिकार नहीं है । वर्ष 2005 में दायर याचिका का एल एस एल ने सी एल बी के समक्ष कड़ा विरोध किया है ।
- ङ. स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल को आरंभिक प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई है । पिछला प्रौद्योगिकी अंतरण काफी समय पूर्व 1992 में किए गए करार के तहत हुआ था जो भी समय के साथ-साथ समाप्त हो गया है । स्टारलिंगर आस्ट्रिया की एल एस एल द्वारा संगत करारों के अनुसार रॉयल्टी के भुगतान द्वारा प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु क्षति पूर्ति विधिवत रूप से की गई है ।
- च. एल एस एल किसी भी तरह से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन से संबंधित नहीं है । उसका एकमात्र दावा यह है कि उसकी एल एस एल में 34.67%

शेयरधारिता है । परंतु मात्र शेयरधारिता से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन पाटनरोधी नियमों के भीतर एल एस एल से संबंधित नहीं हो जाती है।

- छ. एल एस एल बोर्ड ने वर्ष 2002 के बाद स्टारलिंगर आस्ट्रिया का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई निदेशक नियुक्त नहीं किया है और इस प्रकार सुश्री एनलेजिका ह्यूमर को विधिक रूप से निदेशक पद से वंचित करने का प्रश्न ही नहीं उठता है । बहरहाल इस तथ्य कि स्टारलिंगर आस्ट्रिया ने एल एस एल बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की मांग करते हुए माननीय सी एल बी के समक्ष एक याचिका दायर की है, से इस बात की पुष्टि होती है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का एल एस एल पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही उसके पास एल एस एल के प्रबंधन या नियंत्रण में भूमिका का दावा करने का कोई संविदागत अधिकार नहीं है। वर्ष 2005 में स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा दायर याचिका अभी भी सी एल वी में विचाराधीन है और सी एल वी ने अब तक कोई निर्णय नहीं दिया है ।
- ज. यह कहना गलत है कि सी एल वी ने इस बात की पुष्टि की है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और एल एस एल संबंधित है । माननीय सी एल वी ने ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया है ।
- झ. इस बात से इंकार किया जाता है कि एल एस एल लोहिया मशीन वर्क्स तथा स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है । लोहिया मशीन वर्क्स के साथ ऐसा कोई करार नहीं है । स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने कंपनी लॉ बोर्ड के समक्ष याचिका सं. 62/2005 में इसी प्रकार का दावा किया है जिसके बारे में एल एस एल ने सी एल वी के समक्ष इंकार किया है और यह मामला न्याय निर्णयाधीन है ।
- ट. स्टारलिंगर, आस्ट्रिया पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर न तो विधिक रूप से और न ही प्रचालनात्मक रूप से एल एस एल के नियंत्रण में है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटनरोधी) नियमावली, 1995 के नियम 2(ख) के अंतर्गत संबंधित कंपनियों की परिभाषा के मद्देनजर इस स्थिति की जांच की है । उक्त नियम नीचे पुनः प्रस्तुत है :

1(i) उत्पादकों को केवल उसी स्थिति में निर्यातकों या आयातकों से संबंधित माना जाएगा यदि,-

(क) उनमें से कोई एक दूसरे पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण रखता हो; अथवा

[illegible]

(ग) दोनों मिलकर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे व्यक्ति के हितों को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखते हैं बशर्ते इस बात पर विश्वास करने या आशंक करने का आधार हो।

[illegible][illegible]

प्रगतिप्रिय यही इहँकि ओहू कि ताब सइ न ति लए सि की है तलागान्छकसुहा
इहँकि इहँकि लए के सि लए सि छीननाम । है तजीबं लए लए लए प्रीध सइसिमा
इसके अलावा, प्राधिकार ने यह प्रका है कि लए लए । है तल्लि हिन तलीप
स्टारलिंगर, आस्टिदा का प्रतिलिखित लए गला कोह है लए निवृत्त नहीं किया गया है ।

[illegible][illegible]

ભાગ્ય નિર્ણયનું કંઈક નિશ્ચય છે. આ નિશ્ચયનું કંઈક નિશ્ચય છે. (ii)

- ३१५ गणराज

प्राप्तः किं तद्वत् पत्रांति प्रसारः अपि प्रसार प्र प्रसू कर्तुं इति किं सिद्धं (क)

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्रारंभिक जांच परिणाम के समय मै. स्टारलिंगर, आस्ट्रिया (निर्यातक) द्वारा निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया गया था। अतः प्राधिकारी ने इस उत्तर को संज्ञान में नहीं लिया और प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ उनके अलग व्यवहार के दावों को स्वीकार नहीं किया। बाद में स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है जिसे प्राधिकारी ने स्वीकार कर सत्यापित किया है। अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी अब रिकॉर्ड में उपलब्ध और सत्यापित सूचना के आधार पर आयातों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण करते हैं।

ख. क्षति रहित कीमत

20. स्टारलिंगर जी एम बी एच, आस्ट्रिया ने जांच अवधि के दौरान केवल 6 शटल सर्कुलर बुनाई मशीनों का निर्यात किया है। याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त आयात के आंकड़े भी समूची क्षति अवधि के लिए 6 शटल सर्कुलर बुनाई मशीनों के संबंध में ही हैं तथापि, याचिकाकर्ता ने 6, 8 तथा 10 शटल सर्कुलर बुनाई मशीनों का उत्पादन किया। निर्धारित क्षति रहित कीमत केवल 6 शटल सर्कुलर बुनाई मशीनों से ही संबंधित होनी चाहिए।

21.(क) इस संबंध में याचिकाकर्ता/आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि 6 शटल, 8 शटल या 10 शटल की मशीनों का उपयोग एक समान प्रयोजनों के लिए और अदल-बदल कर किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद को "6 अथवा अधिक शटलों वाली सी डब्ल्यू एम" के रूप में परिभाषित किए जाने के बाद विचाराधीन उत्पाद के लिए एकल क्षति रहित कीमत निर्धारित करना उचित है। केवल 6 शटल के लिए अलग क्षति रहित कीमत का निर्धारण अपेक्षित नहीं है। अनेक मामलों में डी जी ए डी ने विचाराधीन उत्पाद के एकल क्षति रहित कीमत निर्धारित किया था भले ही उक्त विचाराधीन उत्पाद में अलग-अलग कई मॉडल/ग्रेड शामिल रहे हों। उक्त स्थापित परंपरा का इस मामले में भी अनुपालन किया जाए और विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्रतः एक ही क्षति रहित कीमत निर्धारित की जाए।

(ख) प्रकटन विवरण के पश्चात याचिकाकर्ता ने अपनी टिप्पणियों में इस तथ्य की अनदेखी करते हुए कि कम पूंजी निवेश और निम्न स्तर की प्रौद्योगिकी/आर एंड डी प्रयासों के साथ-साथ विक्रेताओं से संघटकों की प्राप्ति और श्रमिकों की अधिक नियुक्ति के कारण अन्य देशों की तुलना में लगाई गई पूंजी पर पूंजी वस्तु उद्योग उच्च दर पर आय प्राप्त करता है, 22 प्रतिशत की दर से लगाई गई पूंजी पर आय प्राधिकारी ने स्वीकार की थी। अतः याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी से अनुरोध किया था कि लगाई गई पूंजी पर कम से कम 45 प्रतिशत की आय उपलब्ध कराई जाए।

(ग) घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत में एस ए डी की तुलना में घरेलू बिक्री पर सी एस टी के प्रभाव को समायोजित करने के लिए सी एस टी की औसत दर में वृद्धि की जानी चाहिए जिसे सी एस टी के स्थान पर आयातों पर लागू किया जाता है और जो ऋण का पात्र है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. (क) प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 6 अथवा अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीन है। तथापि जांच के दौरान यह पाया गया था कि जांच अवधि में स्टारलिंग, जी एम बी एच, आस्ट्रिया द्वारा भारत को केवल 6 शटल वाली मशीनों का निर्यात किया गया है। अतः तुलना की दृष्टि से उक्त सहयोगी निर्यातक के संबंध में 6 शटल वाली उक्त मशीनों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है।

(ख) प्राधिकारी ने विधिवत सत्यापन के बाद याचिकाकर्ता द्वारा आर एंड डी, श्रम एवं आउटसोर्स लागत पर किए गए व्यय पर विधिवत विचार करने के बाद घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। इसके अलावा प्राधिकारी ने सभी पाटनरोधी मामलों में अपनाई गई सुसंगत और एक समान प्रक्रिया के अनुसार लगाई पूंजी पर 22 प्रतिशत की दर से आय का प्रावधान किया है।

(ग) प्राधिकारी की यह सतत परम्परा रही है कि क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु सी एस टी पर विचार न किया जाए और तदनुसार क्षति रहित कीमत की गणना में सी एस टी पर विचार न किया जाए।

छ. पाटन मार्जिन

23. (क) घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- (i) स्टारलिंगर, चीन के लिए आपूर्तिकर्ता राज्य के या तो पूर्ण स्वामित्व में हैं या आंशिक स्वामित्व में।
- (ii) यह बताया गया है कि स्टारलिंगर चीन के निर्यात लाभ की गणना संबद्ध उत्पाद की मानक लागत जमा उचित लाभ के आधार पर की जाती है। यह स्पष्ट नहीं है कि निर्यात लाभ की गणना करने के लिए उन्होंने कौन सा तरीका अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा है कि लाभ का उपयोग शुरूआती लागत को शामिल करने के लिए किया जाता है। कंपनी वर्ष 2005 में शुरू हुई थी। शुरूआती अवधि कब समाप्त हुई? शुरूआती लागत की राशि क्या थी, जिसकी पूर्ति निर्यात लाभ से की गई? शुरूआती लागत के किस भाग की पूर्ति घरेलू लाभ से की गई थी? इस उत्तर में उत्तर के अलावा, कई प्रश्न खड़े हुए हैं।
- (iii) कंपनी को निर्यात बिक्री के कारण घाटा हुआ है और संचित घाटे का वित्त पोषण, इक्विटी तथा संबद्ध कंपनियों अर्थात् स्टारलिंगर, आस्ट्रिया से जमा राशि प्राप्त करने तथा आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान रोकने के जरिए किया गया था। जब

मूल्य प्रदर्शित न हो सके । ऐसा निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर भी विचार करेंगे कि क्या :-

(i) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ii) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बढ़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(iii) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(iv) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

परंतु यह कि रूस और चीन जन.गण में बदलती हुई आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिनमें इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट कारकों के संबंध में लिखित में पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर यह प्रदर्शित किया गया है कि एक या अधिक ऐसी फर्मों के लिए प्रचलित बाजारी स्थितियां पाटनरोधी जांच के अधीन हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में उल्लिखित सिद्धांतों के बजाए पैरा 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं ।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए मै. स्टारलिंगर, चीन ने निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की है । प्राधिकारी ने सूचना का सत्यापन चीन स्थित उनके परिसरों में किया है । सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने नियमों में यथा परिभाषित विभिन्न मानदंडों की जांच की है और यह नोट किया है कि ये प्रदर्शित करने के लिए कोई सामग्री नहीं मिली है कि उत्पाद की कीमत के निर्धारण के बारे में राज्य का कोई हस्तक्षेप है । कंपनी मांग/आपूर्ति पर आधारित अपनी कीमत और अन्य बाजारी शक्तियों का निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है ।

28. यह पाया गया है कि कंपनी निर्यात उत्पाद की प्रमुख निविष्टियों/संघटकों को संबद्ध कंपनी स्टारलिंगर, आस्ट्रिया से प्राप्त कर रही है । प्रौद्योगिकी वाले समस्त संघटकों की प्राप्ति आस्ट्रिया से की जाती है । कुछ पुर्जों और संघटकों की प्राप्ति भी चीन जन.गण. के आपूर्तिकर्ताओं से की जाती है । चीन के ऐसे सभी आपूर्तिकर्ता असंबद्ध निजी कंपनियों के हैं । जहां तक चीन जन.गण. से प्राप्त इस्पात संघटकों का संबंध है, इनमें संबद्ध वस्तु की एक इकाई में 846 किग्रा. शामिल है और मूल्य के अनुसार यह जांच अवधि के दौरान इस्पात की

अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार करते हुए उत्पादन लागत की 4.5% बननी है। अंतर्राष्ट्रीय कीमत और सब्सिडीशुदा कीमत के बीच अंतर पर विचार किए जाने की स्थिति में इस्पात संघटकों का हिस्सा और भी कम हो जाएगा। बहरहाल स्थानीय बाजार से प्राप्त सब्सिडीशुदा इस्पात का संघटक इतना कम पाया गया है कि उसका वर्तमान मामले में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

29. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी संबद्ध कंपनी अर्थात् स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने प्रदान की है।

30. कंपनी अपनी जरूरत और उत्पादन योजना के अनुसार व्यक्तियों को नियोजित करने के लिए स्वतंत्र है।

31. यह नोट किया गया है कि उत्पाद के उत्पादन में अंतर्गत संयंत्र और उपकरण अत्यंत सीमित हैं क्योंकि प्रमुख उत्पादन कार्यक्रम में पुर्जों और संघटकों का उपयोग संयोजन शामिल होता है।

32. घरेलू उद्योग ने यह मुद्दा उठाया है कि आस्ट्रेलिया से प्राप्त संघटक और पुर्जे सुरक्षा के आधार पर नहीं हैं। प्राधिकारी ने इस मुद्दे की विशिष्ट जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि महत्वपूर्ण और उच्च तकनीक वाले संघटकों को आस्ट्रेलिया से प्राप्त किया गया है और उपरान्त प्राप्ति घाटे पर नहीं हुई है। आस्ट्रिया के आपूर्तिकर्ता दो प्रकार के हैं - आस्ट्रिया में स्टारलिंगर द्वारा प्राप्त संघटक और पुर्जे तथा स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा चीन से बाहर के बाजारों से प्राप्त और चीन के संयंत्र को आपूर्त संघटक और पुर्जे। आस्ट्रिया में स्टारलिंगर द्वारा उत्पादित कुछेक संघटकों और पुर्जों की आपूर्ति सुलभ कीमत पर स्टारलिंगर, चीन को की जाती है। इसके अलावा, बाजार से प्राप्त और चीन को आपूर्त पुर्जों और संघटकों की कीमत खरीद कीमत (अर्थात् भरपाई हेतु अभिवृद्धि के पश्चात्) से अधिक होती है। अतः प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हैं कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और स्टारलिंगर, चीन के बीच सौदे दूरदर्ती आधार पर हैं और चीन के संयंत्र की उत्पादन लागत में उत्पाद के उत्पादन और विपरीत से संबद्ध लागत प्रदर्शित होती है।

33. इस कंपनी पर 100% स्वामित्व स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का है। इसमें चीन के राज्य अथवा चीन के व्यक्तियों का कोई निवेश शामिल नहीं है। कंपनी का एकमात्र शेयरधारक स्टारलिंगर एक्सपोर्ट जी एम बी एच है जो वाणिज्यिक न्यायालय, वियना "हेंडेल्सजेरिज" वियना के कंपनी रजिस्ट्रार के पास संख्या 211625 के अंतर्गत पंजीकृत आस्ट्रियन सीमित दायित्व वाली कंपनी है जिसका पंजीकरण स्थान मिलरगैसे 9, 1060 वियना में है और जो स्टारलिंगर समूह की एक भाग है।

34. स्टारलिंगर, चीन का कोई भी प्रबंधन कार्मिक चीन की राष्ट्रीयता का नहीं है और चीन का कोई निदेशक कंपनी के बोर्ड में नहीं है।

35. प्राधिकारी ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं पाया है कि कंपनी को ऋण हेतु अधिमानी दर उपलब्ध है ।

36. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही है और वह कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित समझते हैं और सामान्य मूल्य का निर्धारण कंपनी द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार करते हैं ।

झ. सामान्य मूल्य

37. स्टारलिंगर, चीन ने घरेलू बाजार में बिक्री के बारे में परिशिष्ट-1 में सूचना प्रस्तुत की है। स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने इंडोनेशिया को हुए निर्यातों के बारे में परिशिष्ट-1 में सूचना प्रस्तुत की है और अन्य परिशिष्टों के साथ भारत को हुए निर्यातों को हुई सूचना परिशिष्ट-2 में दी है । प्रकटन विवरण में प्राधिकारी ने यह नोट किया कि कंपनी ने घरेलू बाजार में 8 मशीनों के केवल 2 बिक्री सौदे किए हैं और ये सौदे जांच अवधि के केवल 2 महीनों में हुए हैं । अतः प्राधिकारी घरेलू बिक्री को सामान्य मूल्य का प्रतिनिधिक आधार नहीं मानते हैं । दूसरी ओर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और निर्यातक ने सामान्य मूल्य का दावा इंडोनेशिया के लिए निर्यात कीमत के आधार पर किया है । अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव तीसरे उचित देश के रूप में इंडोनेशिया के लिए निर्यात कीमत के आधार पर और इंडोनेशिया को निर्यातित हैडल वॉयर वर्जन में प्रयुक्त अतिरिक्त सामग्री में समायोजन करने के बाद सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का है । तथापि, प्रकटन विवरण के अपने उत्तर में आवेदक ने यह बताया है कि उत्पादक (स्टारलिंगर, चीन) को एम ई टी दर्जा प्रदान करने के बाद चीन के भीतर हुई घरेलू बिक्रियों की अनदेखी नहीं की जा सकती क्योंकि बिक्री की मात्रा में संगत डब्ल्यू टी ओ करार में निर्धारित 5% की जरूरत की तुलना में भारत को 6% से अधिक की निर्यात बिक्रियां की गई हैं । प्राधिकारी ने आवेदक की इस दलील को स्वीकार किया है और वह चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की घरेलू कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं। तदनुसार, चीन जन.गण. में स्थानीय बिक्री की बीजक कीमत को सामान्य मूल्य का आधार माना गया है ।

38. चीन के घरेलू बाजार में बेची गई मशीनों में भारत को निर्यातित मशीनों के मानक संस्करणों की तुलना में निम्नलिखित वैकल्पिक विशेषताएं/संलग्नक होते हैं जैसा कि कंपनी द्वारा रखे गए रिकॉर्डों से देखा जा सकता है :-

- ड्रिवन इनलेट सिस्टम
- सहायक सामग्री के दो सैट

39. इस प्रकार चीन जन.गण. में बेची गई मशीनों में ऐसे विशेष उपकरण शामिल होते हैं जो चीन जन.गण. में ग्राहक की जरूरतों के अनुसार वैकल्पिक होते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने विशेष/अतिरिक्त पुर्जों में प्रयुक्त सामग्री की लागत को हिसाब में लेने के लिए *** अम.डॉ./मशीन की राशि तक बिक्री कीमत को समायोजित किया है। इसके अलावा, स्टारलिंगर, आस्ट्रिया से खरीदे गए पुर्जों के लिए आयात शुल्क (***) अम.डॉ. के लिए समायोजनों पर सत्यापित आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है।

40. स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के संबंध में सामान्य मूल्य *** अम.डॉ./मशीन निर्धारित किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी अन्य पक्षकार ने न तो जांच शुरूआत और न ही प्रकटन विवरण का कोई उत्तर दिया है। अतः प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण अवशिष्ट श्रेणी के लिए प्रारंभिक जांच परिणाम में निर्धारित किए गए स्तर के समान निर्धारण किया है।

ट. निर्यात कीमत:

42. याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दे

(i) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा भारत में असंबद्ध ग्राहक हेतु जारी 4 मशीनों के लिए ऑर्डर के पुष्टिकरण का नमूना लोहिया स्टारलिंगर लि. से गोपनीय रूप में प्राप्त किया गया है। उक्त ऑर्डर की पुष्टि से यह पता चलता है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा उद्धृत बिक्री कीमत में निम्नलिखित अतिरिक्त घटक शामिल हैं।

(क) 800 अम.डॉ. के बियरिंग पुर्जे और कलपुर्जे।

(ख) पैकिंग, लोडिंग, स्थापना और शुरूआती प्रभार।

(ii) जहां तक स्थापना और शुरूआत का संबंध है, दस्तावेज में यह उल्लेख है कि इसमें 12 मानव दिवसों की अवधि और 1 हवाई टिकट के लिए स्टारलिंगर और/अथवा उनके उप संविदाकारों के तकनीकीविदों द्वारा पर्यवेक्षण और सहायता शामिल होगी। यदि सेवाएं 12 मानव दिवसों से अधिक की अवधि के लिए अपेक्षित होती हैं तो 100 अम.डॉ. प्रति मानव दिवस का शुल्क वसूल किया जाएगा। निर्यात कीमत में प्रथम 12 दिनों के लिए इसी दर को लागू करते हुए 1200 अम.डॉ. की राशि को स्थापना और शुरूआत हेतु भारत में प्रदान की गई सेवाओं की लागत हेतु निर्यात कीमत से घटाया जाना चाहिए। इसके अलावा, हवाई भाड़े के लिए 100 अम.डॉ. की न्यूनतम राशि को भी घटाना होगा।

- (iii) 800 अम.डॉ. मूल्य के विद्यारिंग पुर्जों और कलपुर्जों की आपूर्ति भी उद्धृत निर्यात निर्यात के भीतर की जा रही है। अतः इसे भी घटाया जाए।
- (iv) का.अ.नं. 10 दि. वि.किंग और लदान व्यय के लिए की गई कटौतियों की अनुमति दी जा सकती है।
- (v) आवेदन के अनुसार यह पता चलता है कि बिक्री की शर्तों में (क) पैकेजिंग के अन्तर्गत 12 महीने की अवधि अथवा प्रचालन में आने के बाद 12 महीने की भी अवधि के भी अवधि के लिए यांत्रिक दोषों (ख) पोल्डान अथवा प्रचालन में आने के अन्तर्गत 6 माह की अवधि के भीतर विद्युतीय दोषों के लिए गारंटी का प्रदान की शामिल है। यद्यपि, पारंपरिक आधार पर निर्यात कीमत में शामिल नुकसान व्यय की सही रकम को निर्धारित करना कठिन है। तथापि, वारंटी प्रभागों के लिए 6% (0.5% प्रतिमाह और 12 माह की दर से) कमी की जा सकती है।
- (vi) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया की वेबसाइट से लिए गए प्रिंट आउट भी संलग्न किए गए हैं जिनमें यह दर्शाया गया है कि उन्होंने अपने उत्पादों की बिक्री हेतु 12 स्व. देश में एजेंट नियुक्त किए हैं। जहां स्टारलिंगर के अधिकारी एजेंट उनके अधिकारों की दिशा में संबंधित कार्य करते हैं, वहीं यह निष्कर्ष निकालना संभव है कि स्टारलिंगर उन एजेंटों को कमीशन का भुगतान कर रही होगी।
- (vii) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा सूचित निर्यात कीमत से आकर्षक के पहुंच मूल्य का निर्धारण करने में अवसर उपर्युक्त के लिए कटौतियां करना आवश्यक है क्योंकि इन तकनीकों में निर्यात के बाद निकासी होने के बाद भारत में किए गए कार्यकलाप शामिल होते हैं।
- (viii) प्रकटन प्रकरण के बाद आवेदक ने यह बताया है कि कारखाना निर्यात कीमत का समावेशन (i) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा अर्जित लाभ; (ii) पैकिंग एवं लदान व्यय (iii) स्थापना एवं वारंटी एवं गारंटी प्रभाग (iv) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के दिल्ली कार्यालय की लागत (v) वारंटी/गारंटी प्रभाग (vi) वैट के अप्रत्यक्ष व्यय (vii) शुल्क की दर तथा भारत को हुए निर्यात में शामिल अन्य सभी संवद्ध कंपनियों के लाभ और (viii) अंतरदेशीय भाड़े तथा पत्तन हैंडलिंग एवं बैंक प्रभागों एवं (ix) अतिरिक्त पुर्जों के कारण नहीं किया गया है।

निर्यात की निगरानी

62. अधिकारकर्ता द्वारा किए गए उपर्युक्त अनुरोधों के संबंध में निर्यातक ने निम्नलिखित विधायिका की है:

अधिकारकर्ता ने निर्यात के व्यापार के संबंध में गोपनीय दस्तावेज उपलब्ध करार हैं। यह एजेंटों के द्वारा के बारे में प्राधिकारी को नहीं बताया है जिस तरीके से अधिकारकर्ता निर्यात कर रही है। यह पूरा वजह से जरूरी है कि प्राधिकारों के लिए कुछ बातों की जांच करना जरूरी होता है कि क्या विभिन्न मापदंडों

- में अंतर है और यदि इनमें कोई अंतर नहीं है तो ऐसे दावों की अनदेखी करना/उन्हें अस्वीकार किया जाना अपेक्षित है ।
- (ii) पहुंच कीमत का समायोजन याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात किसी कारक के लिए नहीं किया जा सकता । याचिकाकर्ता द्वारा किए गए विलंबित दावों का कोई आधार नहीं है और याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात कारकों के लिए कोई समायोजन नहीं है । स्टारलिंगर ने अनुरोध किया है कि पहुंच कीमत का समायोजन किसी भी हालत में याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात कारकों के लिए नहीं किया जा सकता ।
- (iii) पहुंच कीमत का समायोजन अनिवार्य कलपुर्जों के लिए इस वजह से नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता ने भी अनिवार्य कलपुर्जों की आपूर्ति की है जिसकी लागत को निर्धारित क्षति रहित कीमत में शामिल किया गया होना चाहिए । चूंकि क्षति रहित कीमत में अनिवार्य कलपुर्जे शामिल होते हैं इसलिए पहुंच कीमत में भी अनिवार्य कलपुर्जे शामिल होने चाहिए ।
- (iv) पैकिंग और लदान व्यय को आयातों की पहुंच कीमत में से घटाया नहीं जा सकता । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कभी भी ऐसा कोई समायोजन नहीं किया है । आयातों की पहुंच कीमत को प्राधिकारी ने परिभाषित किया है और इसमें सी आई एफ कीमत जमा सीमाशुल्क निहित होता है । सी आई एफ कीमत में पैकिंग और लदान व्यय शामिल होते हैं ।

प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक ने निम्नलिखित टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं :

- (i) मशीन में लगाए गए विशेष उपकरणों के लिए कीमत समायोजन बिक्री कीमत में अंतर पर आधारित होना चाहिए न कि लागत पर आधारित, जैसा कि इंडोनेशिया को निर्यातित संबद्ध वस्तु में विशेष उपकरणों के मामले में किया गया है ।
- (ii) लागत अंतर के आधार पर भी उसकी गणना वास्तविक लागत के लिए ही की जा सकती है । इसमें भी प्रसंस्करण/परिवर्तन लागत तथा ऐसा उचित लाभ ध्यान में रखना होता है जो स्टारलिंगर, चीन की परिशिष्ट-7 में प्रदर्शित उत्पादन लागत के स्वरूप में है ।
- (iii) जहां तक वारंटी के दावों का संबंध है, याचिकाकर्ता ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में वारंटी/गारंटी के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है । इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने स्वयं यह माना है कि संभावित वारंटी के लिए व्यय निर्धारणीय नहीं है ।
- (iv) प्रस्तुत सूचना से यह देखा जाएगा कि कंपनी ने इंडोनेशिया को निर्यातित और चीन के बाजारों में विक्रीत मशीन में कुछ अतिरिक्त विशेषताएं प्रदान की हैं । ऐसा इस वजह से हुआ है कि कीमत समायोजन उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक विशेषताओं/पुर्जों/उपकरणों के संबंध में करना अपेक्षित होता है ।
- (v) जहां तक सिफारिशशुदा/अनिवार्य कलपुर्जों का संबंध है, ऐसे पुर्जे घरेलू बाजार में अपनी बिक्री और भारत तथा इंडोनेशिया को किए गए निर्यातों में भी कंपनी द्वारा प्रदान किए जाते हैं । इसके अलावा, ऐसे सिफारिशशुदा पुर्जे याचिकाकर्ता ने भी उपलब्ध कराए हैं ।

- (vi) संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में अनिवार्य कलपुर्जे भी शामिल हैं।
- (vii) पाटन मार्जिन हेतु पैकिंग एवं लदान लागत के बारे में ये लागतें भारत और इंडोनेशिया को निर्यातित वस्तुओं के लिए समान हैं।
- (viii) स्थापना और शुरुआत लागत को पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत दोनों में शामिल किया जाता है और इसलिए इन्हें समायोजित करने की जरूरत नहीं है। विचाराधीन उत्पादन पूंजीगत वस्तु के रूप में होने के कारण इसके लिए स्थापना और शुरुआत अनिवार्यतः अपेक्षित होता है। ऐसी स्थापना और शुरुआत लागत ओ अलग-अलग प्रभारित किया जा सकता है अथवा इसे कीमत में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, स्थापना और शुरुआत व्यय में यात्रा एवं जनशक्ति लागत के स्वरूप की लागत शामिल होती है। इन्हें संबंधित लेखा शीर्षों के अंतर्गत आय एवं व्यय विवरण में प्रभारित किया जाता है। अतः बिक्री राजस्व में स्थापना एवं शुरुआत लागत शामिल हो सकती है और नहीं भी। तथापि, आवेदक के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत उत्पादन लागत पर आधारित है न कि बिक्री कीमत पर।
- (ix) जहां तक क्षति मार्जिन का संबंध है, आयात की पहुंच कीमत में स्थापना एवं शुरुआत लागत शामिल नहीं होती है। तथापि, याचिकाकर्ता के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत में इस वजह से ये लागतें शामिल हो सकती हैं कि इन खर्चों को याचिकाकर्ता द्वारा "वेतन एवं मजदूरी" शीर्ष अथवा अप्रत्यक्ष एस जी ए व्यय के अंतर्गत लेखाबद्ध किया जा सकता है।
- (x) स्थापना एवं शुरुआत प्रभारों को इस वजह से आयातों की पहुंच कीमत में से घटाया नहीं जा सकता कि (क) याचिकाकर्ता ने इस हेतु यह व्यय भी किया है। (ख) ये व्यय प्रत्यक्ष लागत के रूप में नहीं हैं अपितु निर्धारित/अप्रत्यक्ष ऊपरी व्यय के रूप में हैं। वस्तुतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व में टायर क्यूरिंग प्रेसेज, प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनों, एस डी एच उपकरण, एक्सरे बैगेज मशीन और ऐसे ही कुछ अन्य मामलों में पूंजीगत वस्तु के संबंध में जांच की थी। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कभी भी ऐसा कोई कीमत समायोजन नहीं किया है।
- (xi) स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा स्टारलिंगर, चीन को आपूर्त सभी पुर्जों और संघटक उचित बाजार कीमत पर हैं।
- (xii) यह स्पष्ट किया गया है कि स्टारलिंगर का भारत में कोई कार्यालय नहीं है। स्टारलिंगर, एक्सपोर्ट्स का भारत में एक कार्यालय है और स्टारलिंगर एक्सपोर्ट्स ने भारत में प्रदत्त इन सेवाओं के लिए स्टारलिंगर एंड कंपनी से शुल्क लिया है। सत्यापन के दौरान अधिकारियों से इस बारे में विशेष रूप से सूचना देने के लिए कहा गया था परंतु यह दर्शाया गया था कि कंपनी के व्यय में स्टारलिंगर एक्सपोर्ट्स द्वारा प्रभारित व्यय के लिए खर्च शामिल है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

44. यह नोट किया जाता है कि स्टारलिंगर, ऑस्ट्रिया ने जांच अवधि के दौरान भारत को 129 6-शटल मशीनों का निर्यात किया था ।

45. स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने निर्धारित प्रपत्र और ढंग से भारत को हुए निर्यातों के बारे में सौदेवार सूचना प्रदान की है । यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने बीजक की तारीख के आधार पर जांच अवधि के दौरान भारत को हुए निर्यातों के बारे में सूचना प्रदान की है । यह नोट किया जाता है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा भारत अथवा तीसरे देशों को किए गए समस्त निर्यात श्रृंखलाबद्ध बिक्रियां हैं । स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने संबद्ध वस्तु की खरीद स्टारलिंगर, चीन (उत्पादक) से की है और उसका निर्यात/बीजक अपने विदेशी ग्राहकों को किया है । कंपनी से यह कहा गया था कि वह भारत और इंडोनेशिया को की गई बिक्रियों के अनुरूप स्टारलिंगर, चीन से की गई समस्त खरीदों को संबद्ध करे । इनकी व्यवस्था कंपनी ने की थी । कंपनी ने जांच अवधि के दौरान 7 से अधिक निर्यात सौदों में भारत को 129 मशीनों का निर्यात किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को की गई बिक्रियां सी एफ आर आधार पर हैं । प्रकटन विवरण में निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के दौरान किए गए निर्यातों के भारत औसत सी एफ आर कीमत के आधार पर करने का प्रस्ताव था । निर्यातक के आंकड़ों और रिकॉर्डों के विधिवत सत्यापन के बाद कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समायोजन समुद्री भाड़े, बैंक प्रभार एवं स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के एस जी ए व्यय के लिए करने का प्रस्ताव था ।

46. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के प्रकटन पश्चात टिप्पणियों की विधिवत जांच की है और यह नोट किया है कि सिफारिशशुदा कलपुर्जों तथा स्थापना एवं शुरुआत के लिए निर्यात कीमत में समायोजन अपेक्षित नहीं है क्योंकि उन्हें घरेलू बिक्री में भी शामिल किया जाता है । वारंटी के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उस पर प्रभारित राशि आवेदक और निर्यातक दोनों के लिए निर्धारणीय नहीं है और वारंटी अनिवार्यतः पूंजीगत वस्तु के स्वरूप के उत्पादों से संबद्ध होती है भले ही उसकी आपूर्ति आवेदक या निर्यातक द्वारा की गई हो । अतः प्राधिकारी ने वारंटी के लिए किसी समायोजन पर विचार नहीं किया है । इस प्रकार, स्टारलिंगर, जी एम बी एच, आस्ट्रिया के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण भारत औसत सी एफ आर कीमत (***) अम.डॉ./मशीन) और समुद्री भाड़े (***) अम.डॉ.), बैंक प्रभार (***) अम.डॉ.), स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के भारत स्थित कार्यालय के एस जी ए व्यय (***) अम.डॉ.), और निर्यातक अर्थात् स्टारलिंगर, ऑस्ट्रिया के लाभ (***) अम.डॉ.) के लिए विधिवत समायोजित आधार पर किया गया है । उपर्युक्त शीर्षों पर समायोजनों के लिए विचारित राशि का निर्धारण निर्यात

दस्तावेजों और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत और विधिवत सत्यापित सूचना के आधार पर किया गया है ।

चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

47. अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ अवशिष्ट श्रेणी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उसी स्तर पर किया गया है जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ पूर्व में किया गया था ।

ट पाटिन मार्जिन

48. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर पाटिन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :-

अम.डॉ/वशीन

	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटिन मार्जिन	पाटिन मार्जिन %
मै. स्टारलिंगर प्लास्टिक्स मशीनरी (ताईकांग) कं. लि., चीन जन.गण. (उत्पादक) और मै. स्टारलिंगर एंड कंपनी, गैस्सोल साफ्ट एफ बी एच - आस्ट्रेिया (निर्यातक)	***	***	***	21.32
निर्यातक/उत्पादक का कोई अन्य संयोजन	***	***	***	22.08

ठ. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली तथा कारणात्मक संबंध की जांच

49. जहां तक क्षति और कारणात्मक संबंध का प्रश्न है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता से इतर किसी हितबद्ध पक्षकार ने प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद कोई अनुरोध नहीं किया है । अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण के बारे में अपने प्रारंभिक जांच परिणाम की पुष्टि करने का है । तदनुसार प्राधिकारी क्षति और कारणात्मक संबंध के अंतिम निर्धारण हेतु निम्नानुसार कार्यवाही करते हैं ।

क्षति निर्धारण

50. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से हुए समग्र आयातों को पाटित आयात माना गया है ।

घरेलू के अनुरोध

51. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:-

(क) घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति (क) मात्रात्मक प्रभाव; और (ख) कीमत प्रभाव के रूप में दर्शायी गई है ।

(ख) **समग्र रूप में वृद्धि** : वर्ष 2006-07 में संबद्ध देश से आयात 157 इकाइयों के हुए थे । वर्ष 2007-08 में यह घटकर 90 इकाइयों के हो गए । तथापि, जांच अवधि (वर्ष 2008-09 के 9 माह अर्थात् अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान आयात बढ़कर 247 इकाइयों के हो गए । अप्रैल-दिसंबर, 2008 के दौरान सूचीबद्ध नगों के संबंध में आयात वर्ष 2006-07 में हुए आयातों के 157% रहे थे ।

(ग) **तुलनात्मक रूप में वृद्धि** : घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में पाटित आयात वर्ष 2006-07 में 8% से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2008 में 12% हो गए । इसी अवधि के दौरान घरेलू खपत के % के रूप में पाटित आयात 11% से बढ़कर 13% हो गए ।

(घ) **घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव** :

(i) **कीमत कटौती**: वर्ष 2006-07 के दौरान आयातित वस्तु का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति से 18% अधिक था । तथापि, घरेलू बिक्री प्राप्ति में वृद्धि के बावजूद पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई और यह वर्ष 2008-09 के दौरान घरेलू बिक्री प्राप्ति से 9 % कम रहा ।

(ii) **कम कीमत पर बिक्री** : कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के संपूर्ण प्रभाव का पता नहीं चलता है । घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं था अतः कम कीमत पर बिक्री को वस्तुतः ध्यान में रखा जाना चाहिए । वर्ष 2006-07 के दौरान जब आयात शुरू हुए तो कम कीमत पर बिक्री ऋणात्मक 18% थी । वर्ष 2007-08 में यह ऋणात्मक 2% थी । तथापि, जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान यह सकारात्मक 17% हो गई । इतनी अधिक कम कीमत पर बिक्री के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

(ङ) **बाजार हिस्सा**:- वर्ष 2005-06 तक कोई आयात नहीं हुआ था और घरेलू उद्योग का हिस्सा बाजार हिस्से का 100% था । वर्ष 2006-07 के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार

हिस्सा घटकर 89% हो गया । वर्ष 2007-08 में यह बढ़कर 94% और जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान बाजार हिस्सा पुनः घटकर 87% हो गया ।

(च) क्षमता उपयोग:- घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2004-05 में 94% से घटकर जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) 83% हो गया ।

(छ) लाभ:- घरेलू उद्योग ने वर्ष 2005-06 के दौरान जब कोई पाटित आयात नहीं हुआ था, *** लाख रूपए का लाभ कमाया था । वर्ष 2006-07 के दौरान पाटित आयातों की आवक से लाभ घटकर *** लाख रूपए हो गया । वर्ष 2007-08 के दौरान लाभ और अधिक घटकर *** लाख रूपए हो गया और घरेलू उद्योग ने जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान *** लाख रूपए का घाटा उठाया । वर्ष 2005-06 के दौरान प्रति मशीन *** लाख रूपए के लाभ की तुलना में घरेलू उद्योग का लाभ वर्ष 2007-08 के दौरान घटकर प्रति मशीन *** लाख रूपए हो गया । जांच अवधि (अप्रैल-दिसंबर, 2008) के दौरान उन्हें बेची गई प्रत्येक मशीन पर *** लाख रूपए का घाटा हुआ ।

(ज) निवेश पर आय: वर्ष 2005-06 के दौरान, आर ओ सी ई 57% थी । वर्ष 2006-07 के दौरान यह घटकर 39% हो गई और वर्ष 2007-08 के दौरान आगे और घटकर 14% हो गई । पाटन में वृद्धि होने के कारण अप्रैल-दिसंबर, 2008 में आर ओ सी ई घटकर मात्र 3% रह गई । आर ओ सी की इस दर पर कोई पूंजीगत वस्तु विनिर्माता बाजार में कभी भी नहीं रह सकता है ।

(झ) पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता:- जब आर ओ सी ई मात्र 3% हो तो पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता अत्यधिक बाधित होगी ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

52. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और अंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ इस जांच परिणाम में अनिवार्य कारकों की जांच की है ।

53. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

54. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

55. ऊपर उल्लिखित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले समस्त आर्थिक मापदंडों की जांच निम्नानुसार की गई है :

ड पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

क) आयात मात्रा

56. विचाराधीन उत्पाद का आयात विशेष रूप से सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 8446.21.90 तथा 8446.29.00 के अंतर्गत किया जाता है। आयात आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत भी किए गए हैं।

57. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

58. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इन्फोझाइव से प्राप्त आयात के आंकड़ों और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा पर भरोसा कर उनका निम्नानुसार विश्लेषण किया है:-

ख) आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रै.- दिसं. 2008
चीन जन.गण. से आयात	नग	शून्य	157	90	193
घरेलू उत्पादन तथा बिक्री	नग	1616	1941	2483	2070
कुल मांग	नग	1616	2098	2573	2263
चीन जन. गण. से आयातों का हिस्सा	%	0	7.48	3.50	8.52

59. आंकड़ों से पता चलता है कि संबद्ध देश से हुए आयात वर्ष 2007-08 में 90 मशीनों से बढ़कर जांच अवधि (केवल 9 माह) के दौरान 193 मशीनों के हो गए। इसी प्रकार घरेलू मांग में आयातों का हिस्सा वर्ष 2007-08 में 3.5% से बढ़कर जांच अवधि में 8.52% हो

गया । यह देखा गया है कि आयातों में समग्र रूप में और घरेलू मांग की तुलना में भी वृद्धि हुई है ।

ग) घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि)
क्षमता	नग	1887	2166	3138	2484
उत्पादन	नग.	1616	1941	2483	2070
क्षमता उपयोग	%	86	90	79	83

60. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2007-08 को छोड़कर घरेलू उद्योग की क्षमता में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है । क्षमता उपयोग वर्ष 2007-08 के दौरान 79% से बढ़कर जांच अवधि में 83% हो गया और आधार वर्ष के दौरान 86% से घटकर जांच अवधि में 83% हो गया ।

घ) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि)
घरेलू बिक्री	नग	982	1308	1827	1599

61. बिक्री से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने 2007-08 के दौरान मशीनों के 1827 नगों की बिक्री की, जो जांच अवधि (9 माह) में 1599 नग के स्तर पर पहुंच गई जिसमें वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

च.4 घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

क्षति विश्लेषण अवधि की तुलना में आयातों की पहुंच कीमत का मूल्यांकन

जांच अवधि के दौरान पहुंच मूल्य के बारे में आवेदक के विचार

62. स्टारलिंगर, आस्ट्रिया द्वारा सूचित निर्यात कीमत में से आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण करते समय यह आवश्यक है कि बियरिंग पुर्जों तथा कलपुर्जों, पैकिंग, लदान, स्थापना एवं शुरुआत प्रभारों, वारंटी एवं स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के एस जी ए व्यय के लिए आयातों की सी एफ आर कीमत में से कटौती की जाए क्योंकि इन तत्वों में सीमाशुल्क से निकासी होने के बाद भारत के भीतर किए गए कार्यकलापों का द्योतन होता है ।

63. जांच अवधि के दौरान पहुंच मूल्य के बारे में निर्यातक के विचार

- (i) पहुंच कीमत का समायोजन याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात किसी कारक के लिए नहीं किया जा सकता । याचिकाकर्ता द्वारा किए गए विलंबित दावों का कोई आधार नहीं है और याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात कारकों के लिए कोई समायोजन नहीं है । स्टारलिंगर ने अनुरोध किया है कि पहुंच कीमत का समायोजन किसी भी हालत में याचिकाकर्ता द्वारा अभिज्ञात कारकों के लिए नहीं किया जा सकता ।
- (ii) पहुंच कीमत का समायोजन अनिवार्य कलपुर्जों के लिए इस वजह से नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता ने भी अनिवार्य कलपुर्जों की आपूर्ति की है जिसकी लागत को निर्धारित क्षति रहित कीमत में शामिल किया गया होना चाहिए । चूंकि क्षति रहित कीमत में अनिवार्य कलपुर्जे शामिल होते हैं इसलिए पहुंच कीमत में भी अनिवार्य कलपुर्जे शामिल होने चाहिए ।
- (iii) पैकिंग और लदान व्यय को आयातों की पहुंच कीमत में से घटाया नहीं जा सकता । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कभी भी ऐसा कोई समायोजन नहीं किया है । आयातों की पहुंच कीमत को प्राधिकारी ने परिभाषित किया है और इसमें सी आई एफ कीमत जमा सीमाशुल्क निहित होता है । सी आई एफ कीमत में पैकिंग और लदान व्यय शामिल होते हैं ।
- (iv) जहां तक क्षति मार्जिन का संबंध है, आयात की पहुंच कीमत में स्थापना एवं शुरुआत लागत शामिल नहीं होती है । तथापि, याचिकाकर्ता के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत में इस वजह से ये लागतें शामिल हो सकती हैं कि इन खर्चों को याचिकाकर्ता द्वारा "वेतन एवं मजदूरी" शीर्ष अथवा अप्रत्यक्ष एस जी ए व्यय के अंतर्गत लेखाबद्ध किया जा सकता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

64. प्राधिकारी ने पहुंच मूल्य के निर्धारण के बारे में हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों की विधिवत जांच की है और अनिवार्य कलपुर्जों तथा स्थापना एवं शुरुआत के लिए निर्यातों के सी एफ आर निर्यात कीमत में पहुंच मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समायोजनों पर विचार किया है क्योंकि इनका उल्लेख भारत के लिए तैयार किए गए निर्यात बीजकों औ पुष्टिकृत निर्यात ऑर्डर्स में उल्लिखित मात्रा में किया गया है । जहां तक वारंटी का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस पर प्रभारित राशि आवेदक के लिए निर्धारणीय नहीं है और वारंटी अनिवार्यतः पूंजीगत वस्तु के स्वरूप के उत्पादों से संबंध होती है भले ही उसकी आपूर्ति आवेदक या निर्यातक द्वारा की गई हो । अतः प्राधिकारी ने वारंटी के लिए किसी समायोजन पर विचार नहीं किया है । इस प्रकार जांच अवधि के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण सिफारिशशुदा कलपुर्जों एवं स्थापना तथा शुरुआत के लिए समायोजित भारित औसत सी एफ आर कीमत के आधार पर *** रूपए/मशीन के रूप में किया गया है ।

(क) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

कीमत कटौती

विवरण	इकाई	अप्रैल.- दिस. 2008(जांच अवधि)
आयातों की मात्रा	नग	129
सी एफ आर मूल्य (निवल)	रुपए	***
सी एफ आर पर 0.05% की दर से बीमा	रुपए	***
प्रति इकाई सीआईएफ मूल्य	रुपए	***
उत्तराई प्रभार 1%	रुपए	***
निर्धारणीय मूल्य	रुपए	***
मूल सीमाशुल्क जमा उपकर	%	***
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए	***
निवल बिक्री कीमत	रुपए	***
कीमत कटौती	रुपए	(-)**
कीमत कटौती (%)	%	(-) 10 से (-) 15

कम कीमत पर बिक्री,

विवरण	इकाई	अप्रैल.- दिस. 2008(जांच अवधि)
आयातों की पहुंच कीमत	रुपए	***
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	रुपए	***
कम कीमत पर बिक्री	रुपए	***
कम कीमत पर बिक्री (%)	%	(-) 5 से (-) 10%

65. संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति तथा भारित औसत क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

66. घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित भाड़ा एवं कमीशन तथा संदत्त के. उ. शु. को समायोजित किया गया है।

67. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करने के बाद किया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार, प्रचलित सीमाशुल्क एवं उप-कर को संबद्ध देश से हुए आयातों के आयात आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से कीमत कटौती ऋणात्मक रही है।

68. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से आयातों की भारत औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की भारत औसत क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के संबंध में कम कीमत पर बिक्री 0-5% निर्धारित की गई है।

(ख) पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव:

69. कीमत में ह्रास तब होता है जब उद्योग की कीमत पूर्ववर्ती अवधि के स्तर से कम होती है। कीमत न्यूनीकरण तब होता है जब पाटन की वजह से होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आती है जो लागत में वृद्धि के कारण अन्यथा बढ़ गई होती। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत निवल बिक्री कीमत वर्ष 2007-08 के दौरान *** रुपए की तुलना में *** रुपए थी। इससे यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान कीमत न्यूनीकरण नहीं हुआ है। इसी प्रकार घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण उत्पादन लागत के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत नहीं बढ़ा सका, जिसकी वजह से कीमत में ह्रास हुआ।

ढ. अन्य क्षति मापदंडों की जांच

70. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों, आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री तथा बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति की पूर्ववर्ती खंड में जांच करने के बाद पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

(क) लाभ/हानि तथा निवेश पर आय

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि)
बिक्री (एनएसआर)	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	133	188	172
बनाने और बेचने की लागत	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	217	210
कर पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	53	(7)
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	61	13
घरेलू बिक्री के लिए	लाख रुपए	***	***	***	***

लगाई गई पूंजी					
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	247	294
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	25	4

71. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री प्राप्ति में बनाने और बेचने की लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है जिसकी वजह से जांच अवधि में घरेलू बिक्री में निवल घाटा हुआ है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री हेतु लगाई गई पूंजी पर आय में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ख) नकद लाभ

72. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ निम्नानुसार रहा है:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि)
कर तथा ब्याज पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	61	13
घरेलू बिक्री पर मूल्यांश	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	161	375	343
घरेलू बिक्री के लिए नकद लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	94	47

73. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ काफी घटा है।

(ग) रोजगार तथा मजदूरी

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल.- दिसं. 2008(जांच अवधि)
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	107	108
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	135	87
प्रति कर्मचारी औसत मासिक मजदूरी	रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	126	107

74. उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी औसत मासिक मजदूरी में गिरावट आई है।

(घ) पाटन की मात्रा

75. जिस सीमा तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, उस सीमा तक एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देश के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

(ङ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

76. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत तथा घरेलू कीमतों में प्रवृत्ति की जांच से यह पता चलता है कि मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों के जरिए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं।

क्षति मापदंडों के संबंध में निष्कर्ष

77. कारकों के उपर्युक्त प्रारंभिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि उत्पादन एवं बिक्री में समग्र रूप में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से, निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में गिरावट के कारण क्षति हुई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा पूर्ववर्ती वर्ष में 90 मशीनों से अत्यधिक बढ़कर 257 मशीनें (वार्षिक) हो गई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक और काफी अधिक है।

ण. क्षति के अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

78. वास्तविक क्षति की मौजूदगी, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की जांच उसकी कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत हासकारी एवं कीमत न्यूनकारी प्रभावों के संबंध में संपन्न करने के उपरान्त भारतीय नियमावली एवं पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । तदनुसार निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:-

i) अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा और कीमत

79. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के किसी आयात की सूचना नहीं दी गई है जैसा कि डी जी सी आई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़ों से स्पष्ट होता है । अतः अन्य देशों से हुए आयातों को घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटित आयात नहीं माना जा सकता ।

ii) मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी विकास

80. समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण देश में मांग की कमी को नहीं माना जा सकता । खपत एवं मांग से संबंधित आंकड़ों से उत्पाद की खपत की पद्धति में किसी खास परिवर्तन का पता नहीं चलता है । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में खास परिवर्तन का कोई उल्लेख नहीं किया है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

iii) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिस्पर्धात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

81. सबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है । आवेदक सबद्ध वस्तु का एक बड़ा उत्पादक है और उसका घरेलू उत्पादन तथा बिक्री में काफी अधिक हिस्सा है । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी की जानकारी में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों या व्यापार प्रतिस्पर्धात्मक व्यवहार का कोई साक्ष्य नहीं लाया है ।

iv) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

विवरण	इकाई	2007-08	अप्रैल-जून, 2009 (अवधि)
निर्यात बिक्री	नग	***	
निर्यात बिक्री की लागत	रुपए/लाख	***	
बिक्री कीमत	रुपए/लाख	***	
लाभ/हानि	रुपए/लाख	***	

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है । इसके अलावा, याचिकाकर्ता जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अपने निर्यातों से बेहतर लाभ कमा रहे हैं अतः क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात कार्यकलाप की वजह नहीं माना जा सकता ।

v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

83. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है । अतः इस कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।

84. उपर्युक्त कारणोत्तर विश्लेषण से यह पता नहीं चलता है कि पाटित आयातों से इतर किसी अन्य ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

त. कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

85. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है । पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधारों पर की जाती है:

क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयात की मात्रा में अत्यंत कम कीमत पर तेजी से वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सका जिससे वित्तीय घाटा हुआ है ।

ख. आयात की मात्रा में वृद्धि और घरेलू कीमत में हास की वजह से कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा ।

ग. कम कीमत पर बिक्री होने के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई । ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमतें घटाकर आयात कीमत में गिरावट का मुकाबला किया और वित्तीय घाटा उठाया ।

86. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्राप्ति के कारण हुई है ।

थ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

87. प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से हुए निर्यात के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। तुलना के उपरान्त क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है :-

उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन
इन्टारलिगर, चीन	इन्टारलिगर, इन्डोनेशिया	(-) ^{***}
चीन जन.गण. से कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	^{***}

द. निष्कर्ष

88. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों तथा इस जांच परिणाम परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- भारतीय बाजार में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु ने निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर प्रवेश किया है।
- संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव, दोनों के रूप में यह क्षति संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कारण हुई है।

ध. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। अनंतिम पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं और प्रयोक्ता उद्योग के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

न. सिफारिशें

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक

संबंध के विभिन्न पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी उपाय लागू करना अपेक्षित है।

91. अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

92. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश / निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि (अम.डॉ./मशीन)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	8446.21 8446.21.90 8446.29 8446.29.00	पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें	चीन जन.गण./आस्ट्रिया	स्टारलिंगर प्लास्टिक मशीनरी कंपनी (ताईकांग) चीन	स्टारलिंगर एंड कंपनी गैस्सेल शाफ्ट एम् बी एच आस्ट्रिया	शून्य
2	8446.21 8446.21.90 8446.29 8446.29.00	पीपी/एचडीपीई वस्त्रों की बुनाई हेतु 30 से.मी. से अधिक की चौड़ाई की 6 या अधिक शटलों वाली सर्कुलर बुनाई मशीनें	चीन जन.गण./आस्ट्रिया	उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		1193

93. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

New Delhi, the 16th November, 2010

Final Findings

Subject: Final Findings of Anti-dumping investigation on imports of Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms., originating in or exported from China PR.

F. No. 14/25/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof.

2. WHEREAS M/s Lohia Starlinger Ltd., Kanpur (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (herein after referred as Rules), alleging dumping of Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms. (subject goods) originating in or exported from China PR (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigation for levy of anti dumping duty on the subject goods. The embassy of subject country was notified about the receipt of fully documented application as per Rule 5(5).

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 18th May 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- a) The Embassy of the subject country was notified about the receipt of fully documented application as per Rule 5(5).
- b) The Designated Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose names and addresses were made available by the applicant to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2) and requested them to file questionnaire responses and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- c) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
- d) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose names and addresses were made available by the applicant to the Authority) of the subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- e) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from its country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, non-confidential version of the petition and exporter's questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassy of the subject country in India along with a list of known exporters/producers made available by the petitioners.
- f) Request was made to Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of the subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years. The transaction-wise data on imports received from DGCI&S have been considered appropriately in the findings.
- g) A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

- j) The Authority sent questionnaire to all known exporters/ producers of the product concerned in China PR to elicit relevant information, in accordance with the rule 6(4).
- k) Importer Questionnaire has been sent to all known importers in India.
- l) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file and kept open for inspection by the interested parties.
- m) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain whether Anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- n) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated confidential.
- o) A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known exporters and Embassy of China PR. Exporters were informed that Authority proposes to examine the claim of the applicant in the light of Para 7 and Para 8 of Annexure-I of Anti-dumping Rules, as amended. The exporters/ producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/producers.
- p) Investigation was carried out for the period 1st April to 31st December, 2008 (9 months) and injury was examined for 2005-06, 2006-07, 2007-08 and POI.
- q) The Authority notified preliminary findings on 16th February 2010. A copy of which was forwarded to all the interested parties including Embassy of the subject country in India.
- r) All interested parties were asked to file their comments on preliminary findings.
- s) The Authority held a public hearing on 29th March 2010 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the interested parties. The interested parties were asked to file written submissions and rejoinders, if any. The written submissions and rejoinders received from interested parties are considered in the final findings to the extent considered relevant.

- t) The Authority accepted the response to the exporter's questionnaire submitted in the prescribed format by M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria (exporter in this case), on their request made during the public hearing. Though M/s Starlinger G m.b.H Austria submitted earlier the information in response to Initiation, the same was not considered for the purpose of preliminary findings as the information was not in prescribed format.
- u) The Authority got verified the data and information submitted by the exporter (Starlinger G m.b.H, Austria) and producer (Starlinger Plastic Machinery Company (Taicang), China) in response to the exporter's questionnaire. Comments received from the producer/exporter on the verification report have been appropriately dealt in the Final Findings.
- u) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/cave considered for these findings was disclosed on 23rd June, 2010 and comments received thereon are appropriately addressed in the final findings.
- v) **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration, as per initiation notification as well as preliminary findings, is Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms., originating in or exported from China PR. The Circular Weaving Machines consist of a central portion having shuttles for inserting the weft and a creel for inserting the warp. PP/HDPE tapes are used as weft and warp. The circular PP/HDPE cloth woven goes from the take up to the cloth winder. The circular woven fabrics are widely used in packaging applications such as packaging of cement, fertilizers, chemicals, plastic granules, etc. and for covering fabrics such as tarpaulin, etc.

6. The product under consideration is classified under Chapter 84 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-heading no.8446 - Weaving Machines (looms). The same is covered under ITC (HS) Code 8446.21/8446.21.90 (other)/8446.29 (other) & 8446.29.00 (other), at six/eight digit level.

7. The applicant has clarified that there is no significant difference in Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms., produced by the domestic industry and those exported from China PR. Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms., produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution &

marketing and tariff classification of the goods. The subject goods produced by the petitioner are like articles to those imported from China PR in accordance with the Anti-dumping Rules.

Examination by the Authority

8. It is noted that the product under consideration, as per initiation notification as well as preliminary findings, is Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of a width exceeding 30 cms., originating in or exported from China PR. Therefore, the Authority treats the said product as the product under consideration for the purpose of final findings as well. The Customs and ITC HS classification of the product under consideration mentioned above is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation

C. Like Article

9. The applicant has claimed that goods produced by them are like articles to the subject goods originating in or exported from China PR. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from subject country and the two are technically and commercially substitutable. The Authority accepts the claim of the applicant in this regard. Therefore, for the purpose of present investigation, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as Like Article to the same imported from the subject country in accordance with the AD Rules.

D. Standing of Domestic Industry

10. The application has been filed by M/s. Lohia Starlinger Ltd., Kanpur on behalf of the domestic industry. As per evidence available on record, production of M/s. Lohia Starlinger Ltd., Kanpur accounts for a major proportion of the domestic production as their production is more than 50% of the Indian production.

Views of the exporter

11. Following submissions were made by exporter before the oral hearing:

- (i) M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd., China PR is manufacturing circular weaving looms and other machinery primarily for exports market under technology provided by M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria.
- (ii) The Applicant, M/s Lohia Starlinger Limited, India is a joint venture between Lohia Machine Works, Kanpur and M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H. M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria holds 34.67% stake in M/s Lohia Starlinger Limited and is the largest single minority shareholder in M/s Lohia Starlinger Limited.

- (iii) Furthermore M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H enabled M/s Lohia Starlinger Ltd. to manufacture circular weaving looms by providing applicable technology and know-how.
- (iv) The Starlinger-Huemer family directly and indirectly controls through FEPIA Privatstiftung and direct personal shareholding in all companies forming part of the Starlinger group.
- (v) The Applicant, M/s Lohia Starlinger Ltd. is a part of the Starlinger group, as M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H is the largest single minority shareholder in the Applicant company namely M/s Lohia Starlinger Limited, holding 34.67%.
- (vi) M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. exports the products concerned solely to M/s Starlinger & Co Gesellschaft m.b.H, Austria, which in turn exports them to other countries including India.
- (vii) Ms. Angelika Huemer is the President of the Board of M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. and at the same time Managing Director of M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria and Managing Director of M/s Starlinger Export GmbH, Austria.
- (viii) M/s Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria is holding 34.67% shares in M/s Lohia Starlinger Limited, the petitioner, with legal right to be on the board of M/s Lohia Starlinger Limited. The directorship was illegally taken away from M/s Starlinger GmbH, Austria by M/s Lohia Starlinger Limited and the case is presently pending before the Company Law Board, India.

12. Following submissions have been made by exporter after the oral hearing:

- (i) Rules contain deeming provision and refer to a relationship which may be either "legal or operational".
- (ii) The Rules refer to a situation where one is in a position to control the other.
- (iii) "Operational relationship" implies a situation where there might be relationship in the operations of the companies, whereas "legal relationship" implies a relationship which exists in law – whether or not exercised/applied.
- (iv) "In a position to control" means a situation where in fact, control exists, whether or not exercised/applied.
- (v) That majority shareholding, i.e., above 50% only gives legal control is not correct.

(vi) The interpretation drawn by the Authority in this investigation shall mean that the two companies shall be treated as unrelated in case shareholding between the two is below 50%.

(vii) 10% and above criteria applied by the Authority in the present case is grossly inconsistent with the past decisions and current practices of the Authority with regard to relationship.

Views of the domestic industry

13. Following submissions were made by domestic industry:

- a. M/s Lohia Starlinger Limited (hereinafter referred as 'LSL') is not a part of the so called Starlinger Group, which is evident from the fact that the website www.starlinger.com does not list LSL as member of the Starlinger Group.
- b. LSL does not have any shareholding nor control in Starlinger, China and Starlinger, China has no shareholding and/or control in LSL.
- c. LSL has no control over Starlinger & Co GmbH, Austria (hereinafter referred as 'Starlinger, Austria') nor is controlled by Starlinger, Austria, legally or operationally.
- d. The very fact that Starlinger, Austria has filed a Petition before Hon'ble CLB seeking appointment of its nominee on the Board of LSL establishes the fact that Starlinger, Austria does not have any control over LSL nor do they have any contractual right to claim role in management or control over LSL. The Petition filed in the year 2005 has been vehemently opposed by LSL before CLB.
- e. Starlinger, Austria provided technology initially to LSL. The last technology transfer took place under agreement made way back in 1992, which too expired with expiry of time and Starlinger, Austria has been duly compensated by LSL for technology transfer by payment of royalty in accordance with the terms of the relevant agreement.
- f. LSL is no way related to Starlinger, Austria and/or Starlinger, China. Their only claim is that they are holding 34.67% shares in LSL. But mere shareholding does not make Starlinger, Austria and/or Starlinger, China related to LSL within the meaning of AD Rules.
- g. The Board of LSL has not appointed any director representing Starlinger, Austria since 2002 and hence the question of Ms. Angelika Huemer being illegally ousted from the Directorship does not arise. In any case, the very fact that Starlinger, Austria has filed a Petition before the Hon'ble Company Law Board (CLB) seeking appointment of its nominee on the Board of LSL

establishes the fact that Starlinger, Austria do not have any control over LSL nor do they have any contractual right to claim any role in the management or control over LSL. The Petition filed in the year 2005 by Starlinger, Austria is still under consideration before CLB and no decision has been given by CLB so far.

- h. It is incorrect to state that CLB has confirmed that Starlinger, Austria and LSL are related. The Hon'ble CLB has not passed any such order.
- i. It is denied that LSL is a joint venture between Lohia Machine Works and Starlinger, Austria. There is no such agreement with Lohia Machine Works. Starlinger, Austria has raised a similar claim in the petition No. 62/2005 before the Company Law Board, which has been denied by LSL before the CLB and the matter is sub-judice.
- j. Starlinger, Austria is neither legally nor operationally in control of LSL within the meaning of AD Rules

Examination by the Authority

14. The Authority has examined the position in the light of the definition of related companies under Rule 2(b) of Customs Tariff (Anti Dumping) Rules 1995. The said Rule is reproduced as under:

i) Producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if,-
(a) One of them directly or indirectly controls the other; or
(b) Both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or
(c) Together they directly or indirectly control a third person subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.

(ii) A producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the later.

15. The Authority notes that the key element in regard to relationship of the domestic producer and the exporter is 'control', legal or operational. The Authority finds that Starlinger, China is a 100% subsidiary of Starlinger, Austria whereby both are related companies. Further, it is evidenced that Starlinger, Austria is holding 34.67% shares in the applicant company i.e. Lohia Starlinger Limited. But mere shareholding does not amount to exercise of control and therefore does not make Starlinger, Austria and/or Starlinger, China related to Lohia Starlinger Limited (LSL) within the meaning of Anti Dumping Rules. Majority shareholding i.e. above 50% only gives legal control. Further, the Authority finds that no Director representing Starlinger, Austria has been appointed in the Board of applicant company since 2002. It is brought on record by both the

parties that Starlinger, Austria has filed a Petition before Company Law Board seeking appointment of its nominee on the Board of LSL. All these establish that Starlinger, Austria has no operational control as well over LSL. Further, even if the two parties are related parties, the mere fact of relationship is insufficient to consider the domestic producer as ineligible. There must be sufficient grounds justifying exclusion of such related domestic producer. There must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self inflicted injury. In the instant case, there is no such evidence that the relationship between the two parties have led to petitioner behaving in a manner different from an unrelated producer.

16. Thus, in the absence of legal or operational control by Starlinger, Austria and/or Starlinger, China over LSL and in the absence of sufficient grounds to treat LSL as ineligible domestic producer in the light of the provision contained in Rule 2(b), the Authority holds that the applicant is entitled to be treated as domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules and has the standing to file the petition in terms of Rule 5(3) of the AD Rules.

E. Confidentiality

17. The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers, prices etc. have been treated as confidential to the extent of acceptability of confidentiality by the Authority. The data/information of the producer and exporter, M/s Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd., China and Starlinger & Company G.m.b.H, Austria submitted as confidential has also been treated as confidential to the extent acceptable.

F. Other issues

18. Following other issues have been raised by the exporter:

Misleading import data relied upon

Import data relied upon in the preliminary findings is misleading on account of the following:

- i) Import data from Infodrive was made available for the period April-Dec, 2008. No bonafide reason for non-availability of imports from a reliable source is given.
- i. DGCI&S information for the period till August '08 was released by DGCI&S on 1st Feb 2009. Data for Sept. 2008, Oct. 2008, Nov. 2008 and Dec. 2008 has been released by the DGCI&S on 09.03.2009, 10.03.2009, 07.04.2009 and 19.05.2009 respectively.
- ii. Under the circumstances it cannot be admitted that Infodrive information was not available for the period April-Dec., 2008 by around May, 2009.

Evidently, the petitioner has made false, incorrect and misleading statement with a view to seek initiation of the present investigation.

- iii. Petitioner has included Power looms for weaving fabrics of width >30 cm. nes shuttle type, Machines for weaving fabrics of a width > 30 cm shuttle type, nes, Circular loom, Weaving machine (looms) shuttle standard set of spare parts, Weaving machine which cannot be considered as the product under consideration.

Examination by the Authority

19 At the time of preliminary findings, no response to exporter's questionnaire was filed in the prescribed format by M/s Starlinger, Austria (exporter). Therefore, the Authority did not take cognizance of this response and did not accept their individual treatment claims for the purpose of preliminary findings. Subsequently, Starlinger, Austria has furnished requisite information in the prescribed format, which was accepted and verified by the Authority. The Authority, for the purpose of final findings, determines volume and value of imports based on information now made available on record and verified.

Non Injurious Price

Submission by Starlinger GmbH, Austria

20. Starlinger GmbH, Austria has exported only 6 shuttle Circular Weaving Machines during the period of investigation. The import data provided by the petitioner also is only in respect of 6 shuttle Circular Weaving Machines for the entire injury period. However, petitioner produced 6, 8 and 10 shuttles Circular Weaving Machines. The non-injurious price determined should relate only to the 6 shuttle Circular Weaving Machines.

Submission by the Petitioner

21(a) The petitioner/applicant has submitted that machines with 6 shuttles, 8 shuttles or 10 shuttles are used for the same purposes and in an interchangeable manner. Having defined the product under consideration as 'CWM having six or more shuttles', it is appropriate to determine a single NIP for the product under consideration. There is no need to determine a separate NIP for 6 shuttles alone. In a number of cases, DGAD had determined a single NIP for the product under consideration irrespective of the fact that the said product under consideration consisted of several different models/grades. The said established practice may be followed in this case also and only a single NIP may be determined for the product under consideration as a whole.

(b) The petitioner in its post-disclosure comments had stated that the Authority had adopted return on capital employed at the rate of 22% ignoring the fact that because of relatively lower capital investment and higher contribution of lower technology/R&D efforts coupled with higher employment of labour and outsourcing of components from vendors, capital goods industry enjoys a higher rate of return on capital employed as

compared to other industries. The petitioner had therefore requested the Authority to provide the return of at least 45% on capital employed.

(c) NIP of the domestic industry should be increased by average rate of CST to offset the effect of CST on domestic sales vis-à-vis SAD which is levied on imports in lieu of CST and which is eligible for credit.

Examination of the Authority

22(a) The Authority notes that the product under consideration in the present investigation is Circular Weaving Machine having six or more shuttles. However, during the course of investigation, it was found that the machines having only six shuttles have been exported to India by Starlinger, GmbH, Austria during the POI. Therefore, for the sake of fair comparison, dumping margin and injury margin have been determined for the said machines having six shuttles in respect of the said co-operative exporter.

(b) The Authority has determined the NIP for the domestic industry after duly considering the expenditure incurred by the petitioner on R&D, labour and cost of outsourced components, etc after due verification. Further, the Authority has provided return on capital employed at the rate of 22% on capital employed as per the consistent and uniform practice followed in all the anti-dumping cases.

(c) It has been the consistent practice of the Authority not to consider CST for the purpose of determining NIP and accordingly the Authority has not considered the CST in computing the NIP.

G. Dumping Margin

23(a) Following submissions have been made by the domestic industry:

- (i) Suppliers to Starlinger, China are either wholly owned or partly owned by the State.
- (ii) It is stated that Starlinger China export profits are calculated at standard costs for the product concerned plus an appropriate profit. It is not clear as to what method is used by them to calculate export profits. They also say that profits are used to cover start up costs. The company was started in the year 2005. When did the start up period end? What was the amount of start up costs that were met from export profits? What portion of start up costs was met from domestic profits? The answer raises more queries than it answers.
- (iii) The company suffered loss on account of export sales and the accumulated losses were financed by equity and, receiving deposits from a related company i.e. Starlinger Austria and deferring payment to suppliers. When payments are deferred to suppliers, to cover the accumulated losses, it is clear indication of non-market nature of the economy.

- (iv) The landlord is stated to be provider of hired personnel. It is further stated in response that the workers are not employed by Starlinger – China but outsourced. The details of the relationship between Starlinger – China and the personnel provider have not been indicated.
- (v) There is no information with regard to the source from which the machinery and other fixed assets were procured by Starlinger - China.
- (b) Following submissions have been made by the exporter and other interested parties.
- (i) The Designated Authority has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in such cases where one of the shareholders is a State owned/controlled entity. However, in the present case, 100% shareholding is by an Austrian company.
- (ii) Therefore, not only there was no state interference in the past, but also no possibility of State interference in the future.
- (iii) A majority of inputs used in export product are being procured from Starlinger Austria. Thus, there is no possibility of the inputs price reflecting non-market forces.
- (iv) Starlinger, China maintains its financial records consistent with the Austrian Accounting Standards, European Accounting Standards, International Accounting Standards and Chinese Accounting Standards.
- (v) The company has been set up by Starlinger and no on-going plant was acquired by Starlinger.
- (vi) Starlinger, China is 100% owned by Starlinger group. All Directors, Chief Executive and other senior management in Starlinger, China are non Chinese national and are appointed by Starlinger, Austria. Starlinger, China has 100% investment from Starlinger. There is no investment from Govt. of China. The company has technology provided by Starlinger, Austria.
- (vii) Starlinger, China has very limited unrepresentative sales of the product under consideration in the domestic market. Considering the prices of the product under consideration, the company should be given market economy status on this account itself.
- (viii) Steel which is the predominant raw material used in the manufacture of Circular Weaving Machines is not transacted under market economy conditions in China PR and that steel is highly subsidized in China PR.

Examination by the Authority

24. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country as per para 8(2) of Annexure 1 of the Rules. Upon initiation, the Authority advised the producer/exporter in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China PR to advise producers/exporters in their country to provide information

25. M/s. Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. responded to the initiation of the investigation and had provided information. It was noticed that Starlinger & Co. GmbH – Austria has exported the product to Indian market which was produced by its related company Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. China PR. Starlinger, Austria had, however, not filed information in the prescribed format. Accordingly, the Authority did not grant market economy status to the responding producer/exporter and determined normal value in accordance with Para-7 of Annexure-I. Subsequent to the preliminary findings, the company has filed information in the prescribed format, which has been accepted and taken on record by the Authority. Verification of producer's and exporter's data/information was conducted at the premises of Starlinger Plastics Machinery (Taicang) Co. Ltd. China PR and Starlinger & Co. GmbH – Austria to the extent considered necessary. However, during the course of investigation, it was found that Circular Weaving Machines having only six shuttles were exported to India by the cooperative exporter during the POI. Therefore, the Authority, for the purpose of fair comparison, has considered only Circular weaving machines having 6 shuttles for determination of dumping margin and injury margin, so far as the co-operative exporter is concerned.

H. Market Economy Issue

26. With regard to market economy treatment, Annexure I of the Rules provides as under:

8. *The term "non market economy country" subject to the Note to this paragraph means every country listed in that note and includes any country which the Designated Authority determines and which does not operate on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise. While making such determination, the Designated Authority shall consider as to whether, -*

- (i) *the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to*

- market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*
- (ii) *the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
 - (iii) *such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
 - (iv) *the exchange rate conversions are carried out at the market rate;*
- Provided that in view of the changing economic conditions in Russia and in the People's Republic of China, where it is shown on the basis of sufficient evidence in writing on the factors specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms are subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.*

27. The Authority notes that M/s Starlinger, China submitted information in prescribed format to rebut the presumption of non market economy. The verification of the information has been conducted by the Authority at their premises in China. During the verification, Authority has examined various parameters as defined under the Rules and notes that no material has been found to show that there is any State interference with regard to determination of price of the product. Thus it is reasonable to believe that the company is free to determine its own price based on market forces.

28. It has been found that company is sourcing key inputs/components of the export product from its related company Starlinger, Austria. All components which have technology involved are sourced from Austria. Some parts and components are also sourced from suppliers from China PR. All such Chinese supplies are from unaffiliated private entities. As regards the steel components procured from China PR, the same comprises of 846 kg in one unit of the subject goods and value wise it constitutes around 4.5% of the cost of production considering the international steel price during the POI. The share of steel components will be further lower if one considers the differential between the international price and the subsidized price. In any case, the component of subsidized steel procured from local market is found to be too insignificant to have a bearing on the cost of the product and on the market economy status in the present case.

29. The technology used in production of product concerned is provided by related company i.e. Starlinger, Austria.

30. The company is free to employ people as per its requirement and production plan.

31. It has been noted that plant and equipment involved in production of product is quite limited, as major production activity consists of sub-assembly and assembly of parts & components.

32. An issue has been raised by the domestic industry that the components and parts sourced from Austria are not at arm's length basis. The issue has been specifically examined by the Authority. The Authority notes that critical and high tech components sourced from Austria are not at loss. There are two kinds of supplies from Austria – components & parts produced by Starlinger in Austria and components & parts sourced by Starlinger, Austria from markets outside China and supplied to Chinese plant. Certain components and parts produced by Starlinger in Austria are supplied to Starlinger China at a profitable price. Further, parts and components sourced from market and supplied to Chinese plant are at a price higher than the procurement price (i.e., after addition for markup). Therefore, Authority considers that the transactions between Starlinger, Austria and Starlinger, China are arms length transactions and cost of production of Chinese plant reasonably reflects the costs associated with production and sale of the product.

33. The company is 100% owned by Starlinger, Austria. It does not involve any investment of Chinese State or Chinese individual. The only shareholder of the company is Starlinger Export GmbH, which is an Austrian limited liability company registered with the Company Registrar of Commercial Court, Vienna 'Hendelsgericht' Wien, under the no. 211625 having its register seat in Millergasse 9, 1060 Wien and which is a part of Starlinger Group.

34. None of the management personnel of the Starlinger, China is of Chinese nationality and no Chinese director is in company's board.

35. Authority did not find any evidence to show that preferential rate for loans is available to the company.

36. In view of the above, Authority holds that the company is operating under market economy conditions and considers it appropriate to accord market economy treatment to the company and determine normal value as per records maintained by the company.

I. Normal Value

37. Starlinger, China has furnished information in Appendix 1 relating to sales in domestic market. Starlinger, Austria have furnished information in Appendix 1A relating to exports to Indonesia and in Appendix 2 for exports to India along with other Appendices. In the disclosure statement, Authority noted that the company has made just two sales transactions involving 8 machines in the domestic market, which are spread over just two months of POI. The Authority, therefore, did not treat the domestic sales as representative basis of normal value. On the other hand, the Authority noted that domestic industry as well as the exporter has claimed normal value on the basis of

export price to Indonesia. Therefore, the Authority proposed to determine normal value based on export price to Indonesia as appropriate third country after making adjustments on the extra materials used in heddle wire version exported to Indonesia. However, in their response to the disclosure, the applicant has stated that after according MET status to the producer (Starlinger, China), domestic sales within China cannot be discarded as the quantum of sales comprised more than 6% of exports to India as against the requirement of 5% laid down in the relevant WTO Agreement. The Authority has accepted the plea of the applicant and determines the normal value on the basis of domestic selling price of the subject goods in China PR. Accordingly, the invoice price of local sales in China PR i.e. US\$ ****/machine has been considered as the basis of normal value.

38. The machines sold in the domestic market in China have following optional features/attachments vis-à-vis standard version of machines exported to India, as seen from the records maintained by the company:-

- Driven inlet system
- Two sets of accessories

39. The machines sold in China PR thus have special equipments included, which were optional as per requirements of the customer in China PR. In view of the same, the Authority considers adjustment of the selling price by an amount of US\$ ****/machine to account for the total cost of the special/additional parts. Further adjustment on account of import duty (US\$****) for purchased parts from Starlinger, Austria has been considered on the basis of the verified data.

40. Thus normal value in respect of Starlinger, Austria (Exporter) and Starlinger, China (Producer) is determined as US\$ ****/machine.

Normal value for non-cooperating exporters

41. The Authority notes that no other party from China PR has responded to the notice of initiation or to the disclosure. Therefore, the Authority has determined the normal value for the purpose of final findings for the residual category at the same level as determined in the preliminary findings.

J. Export Price:

42. Issues raised by the petitioner

(i) A sample order confirmation for 4 machines issued by Starlinger, Austria to an unrelated customer in India, confidentially obtained by Lohia Starlinger Ltd is attached. The said order confirmation shows that the sales price quoted by Starlinger, Austria is inclusive of the following additional elements:-

- a) Wearing Parts and Spare Parts amount to USD 800.
- b) Packing, loading, installation and commissioning charges.

- (ii) With regard to installation and commissioning, the document states that it would involve providing supervision and aid extended by the technicians from Starlinger and/or their sub contractors for a period of 12 man days and 1 flight ticket. If the services are required for any period over and above 12 man days, a fee of USD 100 per man day would be charged. Applying the same rate for the first 12 days included in the export price, an amount of USD1200 should be deducted from the export price towards cost of services rendered in India towards installation and commissioning. In addition, a minimum of USD100 may have to be deducted towards airfare.
- (iii) Wearing parts and spare parts worth USD800 are also being supplied within the export price quoted. Therefore, the same may also be deducted.
- (iv) It is also necessary to examine the appropriateness of making deductions towards packing and loading expenses also.
- (v) A perusal of the document shows that the terms of sale include provisioning of warranty for (a) mechanical defects for a period of 15 months after shipment or 12 months after setting into operation whichever is earlier (b) electrical defects for a period of 9 months and 6 months respectively after shipment or setting into operation. Though it is difficult to determine the exact amount of warranty expenses included in the export price, on a conservative basis, a deduction of 6% *(at the rate of 0.5% per month and the 12 months) may be made towards warranty charges.
- (vi) A set of print outs has also been attached taken from the website of Starlinger, Austria showing that they have appointed agents worldwide for selling their products. When Starlinger worldwide agents work in connection with the sale of their products, it is natural to conclude that Starlinger would be paying commission to those agents.
- (vii) While determining the landed value of imports from the export price reported by Starlinger, Austria, it is necessary to make deductions towards the above as these elements represent activities carried out within India after they are cleared from the customs.
- (vii) Post Disclosure, the applicant has stated that ex-factory export price has not been adjusted on account of (a) profit earned by Starlinger Austria; (b) Packing & Loading Expenses; (c) installation and warranty/guarantee charges (d) costs of Delhi office of Starlinger, Austria (e) Warranty/Guarantee charges (f) Non-refundable portion of VAT (g) SGA expenses and profit of all other related companies involved in export to India; and (h) inland freight and port handling & bank charges; and (i) extra parts.

Comments of the Exporter

43. With regard to the above submissions made by the petitioner, the exporter has made the following comments:-

- (i) The petitioner has provided confidential documents in respect of the exporter's business, but has withheld from the Authority about the manner in which the petitioner company is doing business. This is vital for the reason that the Authority needs to examine whether there are differences in various parameters and if there are no differences, such claims are required to be ignored/rejected.
- (ii) Landed price cannot be adjusted for any of the factors identified by the petitioner. There is no basis for the belated claims made by the petitioner and no adjustment is required to be made on account of factors identified by the petitioner, Starlinger submits that in any case, landed price cannot be adjusted for any of the factors identified by the petitioner.
- (iii) The landed price cannot be adjusted for mandatory spare parts for the reason that the petitioner has also supplied mandatory spare parts, cost of which must have been included in the non-injurious price determined. Since non injurious price is inclusive of mandatory spare parts, the landed price must also be inclusive of mandatory spare parts.
- (iv) Packing and loading expenses cannot be deducted from landed price of imports. The Designated Authority has never made any such adjustments. The landed price of imports is defined by the Authority and the same implies CIF price plus duties of customs. CIF price includes packing & loading expenses.

Post-disclosure, the following comments are furnished by the exporter:-

- (i) Price adjustment for special equipments fitted with the machine should be based on difference in sale price, and not on cost basis as has been done in case of special equipments in the subject goods exported to Indonesia.
- (ii) Even on the basis of cost difference, the same cannot be computed only on account of material cost. It should also take into account processing/ conversion cost and a reasonable profit which are in the nature of production cost reflected in Starlinger, China's Appendix-7.
- (iii) As regards warranty claims, the petitioner has made no provision on account of warranty/guarantee in its annual report. Further, the petitioner themselves considers that the expenditure on account of possible warranty is not ascertainable.
- (iv) It would be seen from the information supplied that the company has provided some additional features in the machine exported to Indonesia and sold in Chinese markets. It is for the reason that price adjustment is required to be done in respect of optional features/spares/equipments in order to ensure fair comparison.

- (v) As regards recommendatory/mandatory spare parts, such spares are provided by the company in its sales in domestic market and exports to India and Indonesia also. Further, such recommendatory spares have been provided by the petitioner also.
- (vi) Both normal value and export price in respect of subject goods include mandatory spare parts.
- (vii) As regards packing & loading cost for dumping margin, these costs are same for goods exported to India and Indonesia.
- (viii) Installation and commissioning costs are included in both landed price and non-injurious price and therefore is not required to be adjusted. Product under consideration being in nature of capital goods invariably requires installation & commissioning. Such installation & commissioning might be charged separately or might be included in the price. Further, installation & commissioning expenses include costs in the nature of travelling and manpower costs. These are charged to income & expenditure statement under their respective accounting heads. Therefore, sales revenue might be inclusive or exclusive of installation & commissioning cost. However, the non-injurious price determined for the applicant is based on cost of production and not based on sales price.
- (ix) As regards determination of injury margin, landed price of import does include installation & commissioning cost. However, the NIP determined for the petitioner must also be inclusive of these costs for the reason that these expenses must have been accounted for by the petitioner under the head 'salary & wages' or indirect SGA expenses.
- (x) Installation and commissioning charges cannot be deduced from landed price of imports for the reasons that (a) petitioner has also incurred the same expenses on this account (b) these expenses are not in the nature of direct costs, but are in the nature of fixed/indirect overhead expenses. In fact, the Designated Authority had earlier done investigations relation to capital goods such as Tyre Curing Presses, Plastic Processing Machines, SDH Equipment, X-Ray Baggage Machine etc. to name a few. The Designated Authority has, however, never carried out such price adjustments.
- (xi) All parts and components supplied by Starlinger Austria to Starlinger China are at fair market price.
- (xii) It has been clarified that Starlinger does not have any office in India. Starlinger Exports has an office in India and Starlinger Exports has charged to Starlinger & Co. on account of these services provided in India. During the verification, officers specifically asked for the information in this regard, it was shown that the expenses of the company included expenditure on account of expenditure charged by Starlinger Exports.

Examination by the Authority

44. It is noted that Starlinger, Austria had exported 129 '6-shuttle' machines to India during POI.

45. Starlinger, Austria has provided transaction wise information relating to exports to India in the form and manner prescribed. It is noted that the company has provided information on exports to India during POI on the basis of date of invoice. It is noted that all exports by Starlinger, Austria to India or third countries are back to back sales. Starlinger, Austria has purchased the goods from Starlinger, China (Producer) and exported/invoiced the same to its foreign customers. The company was asked to link all purchases made from Starlinger, China with corresponding sales made to India and Indonesia, which was provided by the company. The company has exported 129 machines to India during the investigation period, spreading over 7 export transactions. Authority notes that sales made to India are on CFR basis. In the disclosure statement export price was proposed to be determined on the basis of weighted average CFR price of exports made during the POI. Adjustments were proposed to be made on account of ocean freight, bank charges and SGA expenses of Starlinger, Austria to arrive at export price at ex-factory level, after due verification of exporter's data and records.

46. The Authority has duly examined the post-disclosure comments of the interested parties and notes that adjustments in export price on account of recommendatory spare parts and installation & commissioning is not warranted as the same are included in the domestic sales. On warranty, the Authority notes that the amount charged thereon is not ascertainable for both the applicant as well as the exporter and warranty is invariably associated with products in nature of capital goods, whether supplied by the applicant or by the exporter. Therefore, no adjustment on warranty is considered by the Authority. Thus the net export price for Starlinger, GmbH, Austria is determined as US\$ ****/machine based on weighted average CFR price (US\$****/machine) duly adjusted on account of ocean freight (US\$****), bank charges (US\$****) SGA expenses including India office expenses of Starlinger, Austria (US\$****) and profit of the related exporter i.e. Starlinger, Austria (US\$****). Amount considered for adjustments on the aforesaid heads has been determined on the basis of export documents and information furnished by the exporter after due verification.

Export price for non-cooperative exporters from China PR

47. Export price for residual category, for the purpose of final findings, is determined at the same level as determined earlier for the purpose of preliminary findings.

K. Dumping Margin

48. On the basis of comparison of normal value and export price at ex-factory level as determined above, dumping margin is worked out as under:

			US\$/Machine		
			Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin %
M/s.	Starlinger	Plastics	****	****	21.32

4478 46/10-8

Machinery (Taicang) Co. Ltd., China PR (Producer) and M/s. Starlinger & Co. Gesellschaft mbH. – Austria (Exporter)				
Any other combination of exporter/producer	****	****	****	22.08

L. Methodology for Injury Determination and Examination of Causal Link

49. As regards injury and causal link, the Authority notes that no interested party other than the petitioner has made any submission in this regard after preliminary findings. Therefore, the Authority proposes to confirm its preliminary findings on injury determination and determination of causal link. Accordingly, the Authority proceeds with final determination of injury and causal link as under:-

Injury Determination

50. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject country have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

51. The domestic industry has raised the following arguments:-

(a) Material injury suffered by domestic industry is shown in terms of (a) volume effect; and (b) price effect.

(b) **Increase in absolute terms:** Imports from the subject country in the year 2006-07 were 157 units. In the year 2007-08, it went down to 90 units. However, during the POI (nine months of 2008-09 i.e. April-December 2008), imports have increased to 247 units. In terms of indexed numbers, imports during April-Dec 2008 were 157% of imports made during 2006-07.

(c) **Increase in relative terms:-** Dumped imports as a percentage of domestic production increased from 8% in 2006-07 to 12% during April-Dec. 2008. During the same period dumped imports as a percentage of domestic consumption increased from 11% to 13%.

(d) **Effect of dumped imports on the prices of the domestic industry**

(i) **Price undercutting:** The landed value of imported goods was 18% higher than the sales realization of the domestic industry during 2006-07. However, landed values dropped significantly in spite of the increase in the domestic sales

realization and were lower than the domestic sales realization by 9% during 2008-09.

- (ii) **Price underselling:** Price undercutting does not show the full extent of impact of the dumped imports on the prices of the domestic industry. The domestic industry was not able to increase their prices commensurate with increase in cost. Therefore, one should actually look at price underselling. Price underselling was negative 18% during 2006-07 when imports started. It was negative 2% during 2007-08. However, it was turned to a positive 17% during the POI (April-Dec 2008). With such a significant price underselling, profitability of the domestic industry has been adversely affected.
- (e) **Market share:-** Upto 2005-06, there were no imports and the domestic industry enjoyed 100% of the market share. During 2006-07, market share of domestic industry went down to 89%. It increased to 94% in 2007-08 and during the POI (April-December 2008), market share again went down to 87%.
- (f) **Capacity utilization:-** Capacity utilization of the domestic industry has gone down from 94% during 2004-05 to 83% during POI (April-Dec 2008).
- (g) **Profits:-** Domestic industry had earned a profit of Rs.**** lacs during 2005-06 when there were no dumped imports. Upon arrival of dumped imports during 2006-07, profits went down to Rs.**** lacs. Profits went further down to Rs.**** lacs during 2007-08 and the domestic industry has incurred a loss of Rs.**** lacs during POI (April-Dec 2008). From a profit of Rs.**** lac per machine during 2005-06, domestic industry's profits went down to Rs.**** lac per machine during 2007-08. During POI (April-Dec 2008), they incurred a loss of Rs.**** lac on every machine sold.
- (h) **Return on investments:** During 2005-06, ROCE was 57%. It went down to 39% during 2006-07 and further to 14% during 2007-08. With increased dumping, ROCE went down to a mere 3% during April-Dec 2008. At this rate of ROCE, a capital goods manufacturer can never survive.
- (i) **Ability to raise capital or investments:-** Where the ROCE is just 3%, ability to raise capital or investments would be highly jeopardized.

Examination by the Authority

52. Authority has noted the views expressed by the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of final injury determination and causal link analysis in these findings.

53. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

54. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

55. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume, etc. have been examined as under.

M. Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import Volumes

56. Product under consideration is specifically importable under Customs Tariff Head 8446.21.90 and 8446.29.00. The imports data shows that the imports have also been made under different custom tariff heads.

57. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

58. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on import data procured from Infodrive and volume of imports of the subject goods from the subject country have been analysed as under:-

b) Import Volumes and share of subject country

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.- Dec. 2008 (9 months)
Imports from China PR	Nos.	Nil	157	90	193
Domestic Production & Sales	Nos.	1616	1941	2483	2070
Total Demand	Nos.	1616	2098	2573	2263

Share of Imports from China PR	%	0	7.48	3.50	8.52
--------------------------------	---	---	------	------	------

59. The data shows that imports from subject country increased from 90 machines during 2007-08 to 193 machines during POI (9 months only). Similarly, the share of imports in the domestic demand has increased from 3.5% during 2007-08 to 8.52% during POI. It has been observed that imports have increased in absolute terms and also in relation to domestic demand.

c) Production and capacity utilization of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.- Dec. 2008 (POI)
Capacity	Nos.	1887	2166	3138	2484
Production	Nos.	1616	1941	2483	2070
Capacity Utilization	%	86	90	79	83

60. The above data shows that capacity of the domestic industry has been increasing every year except 2007-2008. The capacity utilization has increased from 79% during the year 2007-08 to 83% during POI and decreased from 86% during base year to 83% during the POI.

d) Sales of Domestic Industry

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.- Dec. 2008(POI)
Domestic Sales	Nos.	982	1308	1827	1599

61. The data on sales indicates that the domestic industry sold 1827 number of machines during 2007-08 which has reached a level of 1599 during POI (9 months), thereby showing an increasing trend.

Price Effect of the Dumped imports from subject country on the Domestic Industry

Evaluation of landed price of imports over the injury analysis period

Views of applicant regarding Landed Value during POI

62(i) While determining the landed value of imports from the export price reported by Starlinger, Austria, it is necessary to make deductions towards wearing parts and spare parts, packing, loading, installation & commissioning charges, warranty and SGA expenses of Starlinger, Austria from the CFR price of imports as these elements represent activities carried out within India after they are cleared from the customs.

(ii) Expenses incurred by the exporter through their related entity in India and a notional profit attributable to such operations shall be deducted from the export price before arriving at the landed value. The cost of operations of the Delhi liaison office is to be deducted while arriving at the ex-factory export price as well as landed value as landed value cannot include the cost of activities to be performed in India after the goods are cleared from Indian Customs.

Views of exporter regarding Landed Value during POI

63(i) Landed price cannot be adjusted for any of the factors identified by the petitioner. There is no basis for the belated claims made by the petitioner and no adjustment is required to be made on account of factors identified by the petitioner, Starlinger submits that in any case, landed price cannot be adjusted for any of the factors identified by the petitioner.

(ii) The landed price cannot be adjusted for mandatory spare parts for the reason that the petitioner has also supplied mandatory spare parts, cost of which must have been included in the non-injurious price determined. Since non injurious price is inclusive of mandatory spare parts, the landed price must also be inclusive of mandatory spare parts.

(iii) Packing and loading expenses cannot be deducted from landed price of imports. The Designated Authority has never made any such adjustments. The landed price of imports is defined by the Authority and the same implies CIF price plus duties of customs. CIF price includes packing & loading expenses.

(iv) As regards determination of injury margin, landed price of import does include installation & commissioning cost. However, the NIP determined for the petitioner must also be inclusive of these costs for the reason that these expenses must have been accounted for by the petitioner under the head 'salary & wages' or indirect SGA expenses

Examination by the Authority

64. The Authority has duly examined the comments of the interested parties in regard to determination of landed value and has considered adjustments in CFR price of export on account of recommendatory spare parts and installation & commissioning for the purpose of determination of landed value, as these are figuring in the export invoices to India and quantified in the confirmed export orders. On warranty, the Authority notes that the amount charged thereon is not ascertainable for the applicant and warranty is invariably associated with products in nature of capital goods, whether supplied by the applicant or by the exporter. Thus, no adjustment on warranty is considered by the Authority. With regard to the adjustment from the landed value on account of mandatory spare parts supplied by the exporter, the Authority notes that the domestic industry was not supplying any spare parts along with the machines free of

charge and the selling price charged by the domestic industry for the said machines did not include the price for mandatory spare parts. The Authority, therefore, deducted the sales value of mandatory spare parts at US\$ **** per machine and US\$ **** per machine towards installation and commissioning expenses from the CFR price of the machine. As regards the expenses of Indian office of Starlinger Exports GmbH, a related company of the exporter, the Authority notes that as per the permission granted by the Reserve Bank of India, the Indian office of Starlinger Exports, GmbH can undertake only liaison work and cannot undertake any trading or commercial activity. Further, no commission shall be charged or any other remuneration received/income earned by the office in India for the liaison activity. In view of the above, the Authority finds no merit for deducting the Delhi Office expenses from the landed value as claimed by the petitioner. Thus the Landed value for POI is determined as Rs. ****/machine, based on the weighted average CFR price duly adjusted for price of recommendatory spare parts, expenses on installation & commissioning and insurance to make it CIF price of imports,.

(a) **Price undercutting and underselling effects**
Price Undercutting

Particulars	Unit	Apr.- Dec. 2008 (POI)
Volume of Imports	Nos.	129
CFR value per unit (Net)	Rs.	****
Insurance @ 0.05% on CFR	Rs.	****
CIF value per unit	Rs.	****
Landing Charge 1%	Rs.	****
Assessable value	Rs.	****
Basic Customs Duty plus cess	Rs.	****
Landed price of imports	Rs.	****
Net Selling Price	Rs.	****
Price Undercutting	Rs.	(-)****
Price Undercutting (%)	%	(-)10 to (-)15

Price underselling

Particulars	Unit	Apr.- Dec. 2008 (POI)
Landed price of imports	Rs./machine	****
Non-Injurious Price of domestic industry	Rs./machine	****
Price Underselling	Rs./machine	(-)****
Price Underselling (%)	%	(-)5 to (-)10

65. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting and price underselling. For the purpose of this analysis the weighted average Net Sales

Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the weighted average landed value of imports from the subject country.

66. In determining the weighted average net sales realization of the domestic industry, freight outwards and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been adjusted.

67. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. The landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charges, prevailing customs duty and cess to the CIF value of machines imported into India from the subject country as verified by the Authority. The price undercutting from subject country remains negative during POI.

68. For the purpose of determining price underselling, the weighted average landed price of imports from the subject country has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The price underselling in respect of the subject goods has been determined as Rs.****/machine for the POI.

(b) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

69. Price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. During the POI, the average net selling price of the domestic industry was Rs.**** as compared to Rs.**** during the year 2007-08. This indicates that price depression has not occurred during the POI. Price suppression occurs when dumping prevents price increases that could otherwise take place due to increase in costs. In this case, the domestic industry has not been able to increase its selling price to match the cost of production.

N. Examination of other Injury Parameters

70. After having examined the volume and price effects of the dumped imports on the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares in the earlier section, other economic parameters of injury caused by dumped imports have been analyzed hereunder:-

(a) Profit/Loss and Return on Investment

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.- Dec. 2008(POI)
Sales (NSR)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	133	188	172
Cost to make and sell	Rs. Lacs	****	****	****	****

Trend	Indexed	100	141	217	210
Profit/Loss before tax	Rs. Lacs	****	****	****	(-) ****
Trend	Indexed	100	92	53	(7)
Profit/Loss before interest and tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	94	61	13
Capital Employed for domestic sales	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	139	247	294
Return on Capital Employed	%	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	68	25	4

71. The above data shows that domestic sales realization of the domestic industry has not increased commensurate with the increase in cost to make and sell. The profitability of the domestic industry has declined over the injury investigation period and resulted in net loss on the domestic sales in the POI. The Return on Capital Employed for domestic sales of the domestic industry has significantly declined during the POI as compared to the base year as well as the preceding year.

(b) Cash Profit

72. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:-

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.-Dec. 2008(POI)
Profit/Loss before Tax and interest	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	94	61	13
Depreciation on domestic sales	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	161	375	343
Cash profit/loss for domestic sales	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	101	94	47

73. It is seen from the above that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated during the POI as compared to the base year.

(c) Employment and wages

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr.-Dec. 2008 (POI)
Number of	No.	439	462	471	475

Employees					
Trend	Indexed	100	105	107	108
Wages	Rs. Lakhs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	109	135	116*
Average monthly wages per employee	Rs.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	103	126	107

* Annualised

74. From the above, it is evident that the number of employees has increased. However, average monthly wage per employee has declined during the POI as compared to previous year.

(d) Magnitude of Dumping

75. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country for the POI, is significant.

(e) Factors affecting prices

76. Examination of the trend in the volume of dumped imports from the subject country indicates volume effect of dumped imports. However, price undercutting and price underselling effects are found to be negative.

Conclusion on injury parameters

77. The above analysis of the factors indicate that in spite of improvement in the production and sales in absolute terms, the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, net sales realization, profitability, return on investments and cash profits. Volume of dumped import from the subject country has increased significantly from 90 numbers of machines during the preceding year to 257 nos. (Annualized) during POI. The injury suffered by the domestic industry is material and significant.

O. Other Known Injury factors and Causal Link

78. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

i) Volume and prices of imports from other sources

79. During POI, no imports of the subject goods from countries other than the subject country have been reported as apparent from the import data of DGCI&S. Therefore, the imports from other countries cannot be considered as dumped imports causing injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

80. Demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, the injury to the domestic industry cannot be attributed to the lack of demand in the country. The data on consumption and demand does not show any significant change in the pattern of consumption of the product. There is no mention of significant changes in technology by any interested party, which could have caused injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

81. The subject goods are freely importable. The applicant is the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the attention of the Authority by any interested party.

iv) Export performance of the domestic industry

Particulars	Unit	2007-08	Apr.- Dec. 2008(POI)
Export Sales	Nos.	656	471
Cost of export sales	Rs/Lacs	****	****
Selling Price	Rs/Lacs	****	****
Profit/Loss	Rs/Lacs	****	****

82. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has not been adversely impacted during the POI. Further the petitioner has been making significant level of profits from their exports during the POI as well as in the previous year. Therefore, injury cannot be attributed to the export activity of the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

83. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has improved. Therefore this cannot be a factor causing injury to the domestic industry.

84. The above non-attribution analysis shows that no other known factors appear to have caused injury to the domestic industry.

P. Factors establishing Causal Link

85. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is analysed on the following grounds:

- a. The volume of dumped import from the subject country has sharply increased at significantly lower prices during the injury investigation period.
- b. Increase in import volumes and suppression of domestic prices adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
- c. There is an increase in market share of imports from the subject country. As a direct consequence, market share of the domestic industry has declined.

86. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports. However, the causal link between dumped imports by the participating/co-operative exporter and injury to the domestic industry is not conclusively established.

Q. Magnitude of Injury and injury margin

87. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. Thus compared, the injury margin per machine is determined as under:-

(Rs/machine)

Producer	Exporter	Injury Margin Rs.
Starlinger, China	Starlinger, Austria	(-)****
Any producer from China PR	Any exporter	****

R. Conclusions

88. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, the Authority concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal value in the domestic market of the exporting country;

- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are above de minimis;
- iii) The domestic industry has suffered material injury on account of dumped imports. However, causal link between dumped imports by the participating/co-operative exporter and injury to the domestic industry is not conclusively established.

S. Indian industry's interest & other issues

89. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general economic interest of the country. Imposition of definitive anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers and user industry.

T. Recommendations

90. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on various aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and causal link between dumping and injury to the domestic industry, in terms of the Rules laid down, and having established positive dumping margin against the subject country, and having concluded that the domestic industry suffered material injury, the Authority holds that imposition of definitive anti dumping measure is required only in respect of residual producers/exporters (other than the participating producer/exporter) from the subject country to prevent injury to the domestic industry.

91. Therefore, Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods, from the subject country, in the form and manner described hereunder.

92. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the duty table given below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on imports of the subject goods originating in or exported from China PR.

Duty Table

S. No.	Tariff Head	Description Of Goods	Country of Origin / Country of Export	Producer	Exporter	Amount of Duty (US\$/machine)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

1	8446.21 8446.21.90 8446.29 8446.29.00	Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of width exceeding 30 cms.	China PR/ Austria	Starlinger Plastic Machinery Company (Taicang), China	Starlinger & Co. Gesellschaft m.b.H, Austria	Nil
2	8446.21 8446.21.90 8446.29 8446.29.00	Circular Weaving Machines having six or more shuttles for weaving PP/HDPE Fabrics of width exceeding 30 cms.	China PR/ Austria	Any other combination of producer and exporter		1193.00

93. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority